संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-112 ■ रायपुर, शनिवार 19 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग

तिथि : अष्टमी
नक्षत्र : मूल
प्रथम करण : बावा
द्वितीय करण : बालवा
पक्ष : शुक्ल
वार : शनिवार
योग : आयुष्मान
सूर्योदय:06:08
सूर्यास्तः 18:14
चंद्रमा : धनु राशि में
राहुकाल : 09:09 - 10:40
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मासः भाद्रपद
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:47 - 12:35

खेत में पेड़ पर लटकी मिली लाश

लोरमी. मुंगेली जिले के कोदवाबानी गांव में शुक्रवार को खेते के पास पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका हुआ शव मिला. मृतक की पहचान 44 वर्षीय शिवकुमार उर्फ पवन के रूप में हुई है. हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है. लालपुर थाना क्षेत्र की घटना है. जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह जब किसान घटनास्थल से गुजर रहे थे, इस बीच उनकी नजर पेड़ पर लटके हुए शव पर पड़ी. सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. वहीं फोरेंसिंक टीम को भी बुला लिया गया. घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किया गया. शव को फंदे से उतारकर पंचानामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. मृतक के फटे हुए कपड़े और हाथ पर बंधी पट्टी से मामला संदिग्ध हो गया है. परिजनों और ग्रामीणों से घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है. क्या आरोपी किसी चीज को लेकर परेशान था या फिर पारिवारिक विवाद में उसने यह आत्मघाती कदम उठाया. पुलिस आत्महत्या के साथ हत्या के एंगल से भी जांच कर रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले में नया खुलासा हो सकता है.

बाइक को घसीटते हुए दूर ले गया कार सवार

नई दिल्ली। दिल्ली के आर.के. पुरम इलाके में एक कार ने बाइक में टक्कर मार दी और उसे दूर तक सड़क पर घसीटते हुए ले गए। यह घटना दिल्ली के अफ्रीका एवेन्यू रोड पर हुई। जानकारी के मुताबिक एक युवक सड़क के किनारे बाइक पर बैठा हुआ था, तभी 73 वर्षीय कार चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। घटना के बाद बाइक पर बैठा युवक गिर गया, लेकिन कार सवार बाइक को दूर तक घसीटते हुए ले गया। सूचना के बाद पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और उसके चालक को भी पकड़ लिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की मेडिकल जांच की गई और उसमें शराब का कोई अंश नहीं मिला।

किशोरी के साथ गैंगरेप कर हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली की स्वरूप नगर थाना पुलिस ने 72 घंटे के अंदर ब्लाइंड रेप और मर्डर केस का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में 4 आरोपियों को पकड़ा है, जिनमें तीन नाबालिग हैं। जानकारी के मुताबिक 13 सितंबर की सुबह युवती का शव बरामद हुआ था। पुलिस ने 50 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसके बाद एक ऑटो की पहचान की गई।

'आशीर्वाद का दीया' गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में हुआ दर्ज

मंत्री ओ.पी. चौधरी ने जनभागीदारी को बताया अभूतपूर्व

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में आयोजित 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम ने जनभागीदारी और सेवा भावना का नया अध्याय रचा है। रायपुर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में 25 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए गए, वहीं प्रदेशभर में 1.50 करोड़ से अधिक दीयों की रोशनी से सेवा, सुशासन और जनभागीदारी का संदेश दिया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए 'आशीर्वाद का दीया' का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ की जनता की व्यापक सहभागिता और सामूहिक संकल्प का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा यात्रा पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित 'आशीर्वाद का दीया' में प्रदेशवासियों ने जिस उत्साह और आत्मीयता के साथ भागीदारी की, वह अभूतपूर्व है। चौधरी ने कहा कि रायपुर में 25 लाख से अधिक दीपों का प्रज्वलन और प्रदेशभर में 1.50 करोड़ से अधिक दीयों का जलना छत्तीसगढ़ की जनता के उत्साह और जनभागीदारी की व्यापकता को दर्शाता है। यह केवल दीप प्रज्वलन का आयोजन नहीं, बल्कि सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की भावना के प्रति जनसहभागिता का सामूहिक उत्सव बना।

'आशीर्वाद का दीया' के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों में गांवों से लेकर शहरों तक नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न वर्गों ने सहभागिता की। दीपों की रोशनी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा के प्रति आभार और विकसित भारत के संकल्प के साथ विकसित छत्तीसगढ़ की भावना को अभिव्यक्ति मिली।

इस व्यापक जनभागीदारी ने 'आशीर्वाद का दीया' को विशेष पहचान दिलाई और आयोजन का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़वासियों की सामूहिक सहभागिता और उत्साह का प्रमाण है।

यूपीआई पर चिदंबरम ने राहुल को फंसाया?

मोदी के फैसले के साथ 5 कांग्रेसी सांसद?

नई दिल्ली ■ एजेंसी

डिजिटल इंडिया की रीड बन चुके यूपीआई को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस का डबल गेम एक्सपोज हुआ है जिसके खुलासे ने पूरे देश को हैरान परेशान कर दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सुबह से शाम तक घर से लेकर बाहर तक यह ढोल पीट रहे हैं कि मोदी सरकार यूपीआई पर 0.4% का एमडीआर थोपकर आम जनता की जेब पर डाका डाल देगी। जनता को महंगाई से और मार देगी। सरकार अमेरिका के दबाव में काम कर रही है। उसके आगे घुटने टिक रही। राहुल गांधी सोशल मीडिया पर अपनी दादी इंदिरा गांधी की दुहाई दे देकर प्रधानमंत्री मोदी की रीड की हड्डी पर सवाल उठा रहे हैं। लेकिन यूपीआई पर चिल्लाने वाले राहुल गांधी को किसी और ने नहीं बल्कि उनके अपने ही सांसदों ने पूरी तरह फंसा दिया है। क्या आप जानते हैं कि जिस यूपीआई एमडीआर के फैसले को राहुल गांधी मोदी टैक्स बताकर देश को गुमराह कर रहे हैं।

उसी व्यवस्था को जल्द से जल्द लागू करने की सिफारिश किसी और ने नहीं बल्कि खुद कांग्रेस के दिग्गज सांसदों के जरिए की गई।

मतलब जब बैठक हुई तो कांग्रेस के सांसद उस बैठक में रजामंदी दिखाते हुए नजर आए। जिसका बाहर आकर विरोध कर रहे हैं, उसका अंदर समर्थन किया गया था पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम से लेकर मनीष तिवारी और गौरव गोगोई जैसे कांग्रेस के पांच दिग्गजों ने संसदीय समिति की रिपोर्ट पर सहमति बताई। बिना किसी असहमति के यूपीआई पर एमडीआर लागू करने की वकालत दी।

देशभर में UPI पेमेंट पर चार्ज को लेकर विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देशभर में UPI पर चार्ज के खिलाफ अब विरोध तेज होता जा रहा है। दिल्ली-NCR समेत देशभर में कई जगहों पर अब "No UPI, Only Cash" के पोस्टर लगा दिए गए हैं। दिल्ली के कई पेट्रोल और सीएनजी पंप से ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं, जहां पर ये पोस्टर चस्पा कर दिए गए हैं। ग्राहकों से पेमेंट कैश या कार्ड में लेने की मांग की जा रही है। आपको बता दें कि पेट्रोल पंप एसोसिएशन ट्रेड यूनियन समेत कई संगठनों ने इस चार्ज का विरोध किया है और कहा है कि चार्ज लगेगा तो धीरे-धीरे सभी जगहों पर "No UPI, Only Cash" का बोर्ड लग जाएगा।

दिल्ली के व्यापारियों ने किया विरोध

दिल्ली के कश्मीरी गेट मार्केट के व्यापारियों ने यूपीआई ट्रांजेक्शन पर चार्ज लगाने के सरकार के फैसले का विरोध करने के लिए अपनी दुकानों पर 'नो यूपीआई' के पोस्टर लगाए हैं। व्यापारियों का ये विरोध प्रदर्शन गुरुवार को चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के अध्यक्ष बृजेश गोयल के नेतृत्व में हुआ। पेट्रोल पंप एसोसिएशन ने क्लियर कर दिया है कि इस चार्ज से ग्राहकों की ही परेशानी बढ़ेगी। क्योंकि पहले से ही काफी कम मार्जिन मिलता है। एक और बोझ पेट्रोप पंप मालिक नहीं संभाल पाएंगे और यूपीआई का ट्रांजेक्शन कम करना पड़ जाएगा।

होलसेल कारोबारी भी खिलाफ

दिल्ली के होलसेल मार्केट के कारोबारी भी यूपीआई ट्रांजेक्शन पर चार्ज के खिलाफ हैं। दुकानदारों ने 'नो यूपीआई' के पोस्टर लगा दिए हैं। नए चार्ज के खिलाफ प्रोटेस्ट किया गया है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष ने कहा कि ये फैसला डिजिटल इंडिया की मुहिम को बड़ा झटका साबित हो सकता है। ग्रेटर नोएडा के एक सीएनजी पंप से भी नो यूपीआई ओनली कैश के पोस्टर लगा वीडियो सामने आया है। जहां यूपीआई से पेमेंट लेने पर पेट्रोल पंप की ओर मना करते हुए सिर्फ कैश देने की अपील की गई। व्यापारियों ने कहा कि सरकार को चार्ज लगाने के बजाय UPI ट्रांजैक्शन के लिए सब्सिडी देनी चाहिए और चेतावनी दी कि अगर प्रस्तावित MDR लागू किया गया तो वे आंदोलन करेंगे।

पेट्रोल पंपों पर लगे "No UPI, Only Cash" के बोर्ड

उत्तराखंड में भी व्यापारियों का विरोध

दून उद्योग व्यापार मंडल और अन्य स्थानीय व्यापारी संगठनों ने कहा कि व्यापारी पहले से ही इनकम टैक्स और GST दे रहे हैं और UPI ट्रांजैक्शन पर अतिरिक्त लागत उठाने को तैयार नहीं होंगे। पलटन बाजार व्यापार मंडल के अध्यक्ष पारस गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों ने सरकार के डिजिटल ट्रांजैक्शन और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के बाद UPI पेमेंट अपनाना शुरू किया था। उन्होंने कहा, "जैसा कि सरकार शुरू से कहती आ रही है, हम पारदर्शिता लाने के लिए UPI पेमेंट स्वीकार करेंगे, ऑनलाइन काम करेंगे और ऑनलाइन पेमेंट लेंगे।

अपनी पार्टी का इतिहास भी नहीं जानते राहुल गांधी : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के उस अंतरिम आदेश की आलोचना की थी जिसमें ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (AITC) के नाम और चुनाव चिह्न को फ्रीज कर दिया गया था। त्रिवेदी ने कहा कि रायबरेली के सांसद की बातों से पता चलता है कि उन्हें अपनी ही पार्टी के बारे में कुछ नहीं पता। राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, त्रिवेदी ने गांधी के उस आरोप का जवाब दिया जिसमें कहा गया था कि बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर विपक्षी पार्टियों को तोड़ने का काम कर रहे हैं।

शादी का ऐसा फनी डांस आपने पहले कभी नहीं देखा होगा!

यह आरोप तब लगाया गया जब चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में होने वाले उपचुनावों में टीएमसी के विरोधी गुटों को पार्टी का नाम और आरक्षित चुनाव चिह्न इस्तेमाल करने से रोक दिया। ECI ने विवाद पर अंतिम फैसला होने तक दोनों गुटों से वैकल्पिक नाम और चुनाव चिह्न जमा करने को कहा है। त्रिवेदी ने कहा कि लोगों की राहुल गांधी के बारे में यह धारणा है कि उन्हें देश के बारे में कुछ नहीं पता... आज उन्होंने एक अजीब ट्वीट किया है जिससे पता चलता है कि उन्हें अपनी पार्टी के बारे में भी कुछ नहीं पता। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया है कि वह शिवसेना और एनसीपी के बाद टीएमसी को खत्म कर रही है। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि ये पार्टियां (TMC, NCP) खुद कांग्रेस से अलग होकर बनी थीं।

सीएम विजय नवजात शिशुओं के लिए सोने की अंगूठी योजना की करेंगे शुरुआत

चेन्नई ■ एजेंसी

तमिलनाडु के सीएम सी. जोसेफ विजय आगामी 28 सितंबर को नवजात शिशुओं के लिए 1 ग्राम सोने की अंगूठी की स्कीम की शुरुआत करेंगे। तमिलनाडु सरकार ने आज (शुक्रवार को) यह ऐलान किया है। इस स्कीम के तहत पहले फेज में बांटने के लिए सोने की 1.28 लाख अंगूठियां खरीदी गई हैं। यह तोहफा सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले सभी बच्चों को दिया जाएगा। सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक, सोने की अंगूठी पर एक खास सीरियल नंबर होगा। इस स्कीम का फायदा उठाने के लिए लाभार्थियों का तमिलनाडु का स्थायी निवासी होना जरूरी है।

गौरतलब है कि तमिलनाडु चुनाव 2026 से पहले जारी किए गए घोषणापत्र में कई बड़े वादे किए थे। उनमें नवजात बच्चों के लिए 1 ग्राम सोने की अंगूठी की स्कीम भी थी। अब जब विजय, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन गए हैं तो वह अपने वादे पूरे करने पर काम कर रहे हैं। घोषणा पत्र में TVK ने इस स्कीम का नाम "थाई मामन गोल्ड रिंग स्कीम" बताया था। तब घोषणापत्र में लिखा गया था कि तमिलनाडु में हर बच्चे के जन्म का जश्न मनाएंगे। इस योजना के अंतर्गत, हर नवजात शिशु को तमिलनाडु सरकार के आशीर्वाद के रूप में सोने की अंगूठी मिलेगी। साथ ही, एक "बेबी वेलकम किट" भी दी जाएगी।

तंत्र क्रिया के आरोप में छात्र को थमाया टीसी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बाल आयोग अध्यक्ष वर्णिका शर्मा ने आवश्यक कार्रवाई के दिए निर्देश

प्रयास विद्यालय रायपुर में कक्षा 9वीं के छात्र को विद्यालय से टीसी देकर बाहर करने के मामले में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने संज्ञान लिया है। उन्होंने अधिकारी को टीसी निरस्त करने और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मामले को लेकर बच्चे के पालक की ओर से आवेदन में आरोप लगाया गया है कि छात्र को विद्यालय से निष्कासित करते हुए टीसी जारी की गई। साथ ही यह बात भी सामने आई है कि छात्र के तंत्र क्रिया में संलिप्त होने के कथित आरोप के चलते उसके विरुद्ध कार्रवाई की गई थी। हालांकि तंत्र क्रिया में संलिप्तता संबंधी आरोप की कोई पुष्टि नहीं हुई है। प्राप्त आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि छात्र के पालक को समुचित जानकारी दिए बिना उसे कक्षा से बाहर कर टीसी प्रदान की गई, जिस पर पालक ने विद्यालय प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए बाल आयोग से उचित जांच एवं कार्रवाई की मांग की है। आवेदन का अवलोकन करने के बाद आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 की धारा 13(1)(ज) एवं धारा 14 के तहत प्रकरण का संज्ञान लिया है। आयोग द्वारा सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास रायपुर को मामले की विस्तृत जांच कर तथ्यात्मक एवं लिखित प्रतिवेदन आयोग के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास से दूरभाष पर चर्चा कर मामले में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। आयोग ने छात्र की टीसी निरस्त कर उसकी पढ़ाई पुनः जारी रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए हैं, ताकि किसी भी परिस्थिति में उसकी शिक्षा प्रभावित न हो।

NH-30 पर जनपद सदस्यों और सरपंचों ने किया चक्काजाम

16वीं वित्त राशि समेत विभिन्न मुद्दों पर खोला मोर्चा

जगदलपुर (एजेंसी)। बस्तर जिले के दरभा ब्लॉक मुख्यालय में शुक्रवार को बस्तर क्रांतिकारी विचार मंच के बैनर तले स्थानीय जनपद सदस्यों और सरपंचों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया. राष्ट्रीय राजमार्ग-30 (NH-30) को प्रदर्शनकारियों ने जाम कर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई. जनपद सदस्यों और सरपंचों ने गौण खनिज की राशि में अनियमितता का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे दरभा ब्लॉक में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं.

प्रदर्शन कर रहे जनपद सदस्यों ने पंचायतों में 16वीं वित्त की राशि जल्द जारी करने की मांग की. साथ ही ग्राम पंचायतों में DMF (जिला खनिज न्यास) की राशि से विकास कार्य कराने की मांग भी प्रशासन के सामने रखी. उनका कहना है कि इन मदों की राशि उपलब्ध होने से पंचायत क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिल सकती है.

मकान टैक्स नहीं लेने की मांग

जनपद सदस्यों और सरपंचों ने ग्राम पंचायत क्षेत्रों में मकान टैक्स नहीं लेने की मांग भी रखी. इसके अलावा दरभा ब्लॉक की कड़मा पंचायत में पैसे के कथित गबन के मामले में संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई.

प्रदर्शन के दौरान जनपद सदस्यों और सरपंचों ने अपनी मांगों को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा. उन्होंने मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं होने पर दोबारा आंदोलन करने की चेतावनी दी है.

दिल्ली के रेस्टोरेंट में 'डेटिंग स्कैम' का भंडाफोड़!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की शाहदरा जिला टीम ने आनंद विहार इलाके के एक नामी रेस्टोरेंट में चल रहे जबरन वसूली और ठगी के रैकेट का पर्दाफाश किया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया।

बताया जा रहा है कि पकड़े गए आरोपी ग्राहकों को डरा-धमकाकर और मारपीट करके उनसे मोटी रकम वसूलते थे। बता दें यह पूरी घटना 14 सितंबर को सामने आई, जब पीड़ित 28 वर्षीय रामकृष्ण ने आनंद विहार थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, एक अनजान लड़की ने पीड़ित को पहले व्हाट्सएप पर संपर्क किया और फिर दोस्ती करके उसे कड़कड़डूमा मेट्रो स्टेशन के पास बुलाया। इसके बाद वह लड़की पीड़ित को आनंद विहार स्थित एक फाइन-डाइनिंग रेस्टोरेंट में लेकर गई। बताया जा रहा है कि उस रेस्टोरेंट में थोड़ी देर रुकने पर ही पीड़ित को अचानक से लगभग 21,000 रुपये का एक बहुत ही बढ़ा बिल थमा दिया गया।

दूसरे बेबी के जन्म से पहले दीपिका पादुकोण ने लिया बप्पा का आशीर्वाद ट्विनिंग करते रणवीर सिंह संग पहुंचीं सिद्धिविनायक मंदिर

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के चर्चित कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण शुक्रवार को मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे। दोनों ने यहां भगवान गणेश के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। इस दौरान रणवीर के माता-पिता भी उनके साथ नजर आए। मंदिर पहुंचते ही कपल ने पूरे परिवार के साथ पूजा-अर्चना की। दीपिका इन दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा में हैं और मंदिर में भी उनका बेबी बंप साफ नजर आया। मंदिर दर्शन के दौरान दीपिका पादुकोण ने ऑरेंज और पर्पल रंग का कुर्ता सेट पहना हुआ था। वहीं रणवीर सिंह पर्पल कुर्ते के साथ सफेद पैंट में नजर आए। दोनों का यह सिंपल और ट्रेडिशनल लुक सोशल मीडिया पर भी चर्चा में है। परिवार के साथ मंदिर पहुंचने के दौरान दोनों ने भगवान गणेश के सामने हाथ जोड़कर प्रार्थना की।

सिद्धिविनायक मंदिर जाने से ठीक एक दिन पहले रणवीर सिंह मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। गणपति उत्सव के मौके पर रणवीर ने बप्पा के सामने माथा टेका और हाथ जोड़कर प्रार्थना की। इस दौरान अभिनेता गुलाबी रंग के कुर्ते में दिखाई दिए थे। गणपति उत्सव के बीच लगातार मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंच रहे रणवीर का धार्मिक अंदाज फैंस को भी पसंद आ रहा है। रणवीर और दीपिका का सिद्धिविनायक मंदिर से खास कनेक्शन भी रहा है। इससे पहले दोनों 6 सितंबर 2024 को यहां पहुंचे थे। खास

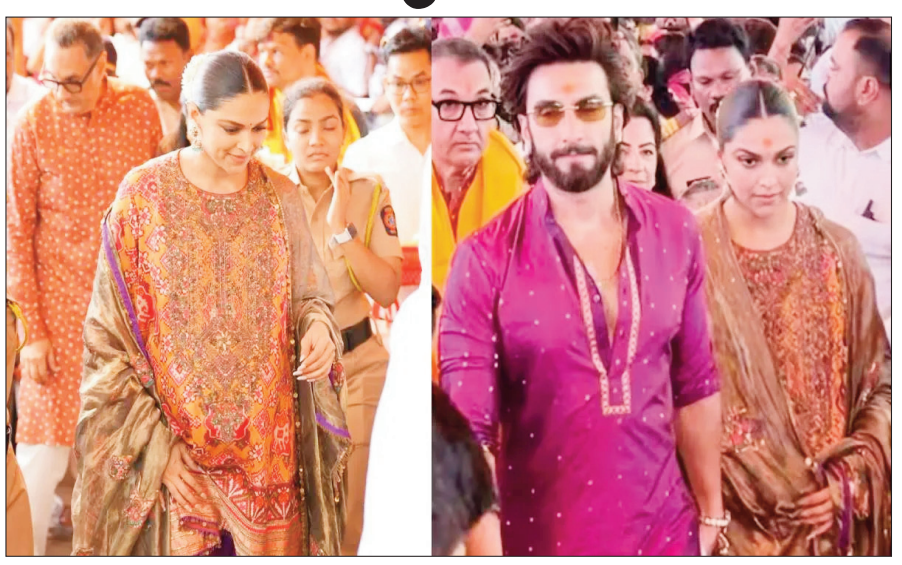

बात यह है कि उस दर्शन के महज दो दिन बाद यानी 8 सितंबर को उनके घर बेटी का जन्म हुआ था। उन्होंने अपनी बेटी का नाम दुआ रखा। ऐसे में इस बार भी दूसरी प्रेग्नेंसी के दौरान सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचना उनके लिए भावनात्मक रूप से खास माना जा रहा है।

दूसरी बार माता-पिता बनने की तैयारी

रणवीर और दीपिका इन दिनों अपने दूसरे बच्चे के स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। दोनों ने 19 अप्रैल को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। इस अनाउंसमेंट में उनकी बेटी दुआ भी नजर आई थीं। पोस्ट में दुआ के हाथ में प्रेग्नेंसी टेस्ट दिखाया गया था, जिसके जरिए कपल ने फैंस के साथ यह खुशखबरी साझा की थी। हाल ही में रणवीर और दीपिका ने अपनी नई मैटरनिटी फोटोशूट की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। इन तस्वीरों में दीपिका बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आईं। तस्वीरों को फैंस का काफी प्यार मिला। वहीं कुछ यूजर्स ने दुआ की तस्वीरों को देखकर यह भी कमेंट किया कि उनकी बेटी अपने पिता रणवीर से काफी मिलती-जुलती है।

'दुपहिया' सीजन 2 में फिर लौटेगा धड़कपुर, इस बार गजराज राव की टोली के सामने होंगी नई मुश्किलें, तय हुई रिलीज डेट

मुंबई (एजेंसी)। ओटीटी पर देसी कहानियों और छोटे शहरों की जिंदगी को हास्य के साथ दिखाने वाली सीरीज 'दुपहिया' के फैंस के लिए अच्छी खबर है। लंबे इंतजार के बाद अब इसके दूसरे सीजन की रिलीज डेट सामने आ गई है। प्राइम वीडियो ने ऐलान किया है कि 'दुपहिया सीजन 2' दुनियाभर में 1 अक्टूबर 2026 से स्ट्रीम होगा। पहले सीजन में बिहार के काल्पनिक गांव धड़कपुर की कहानी और वहां के लोगों की दिलचस्प परेशानियों ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। अब नए सीजन में कहानी आगे बढ़ेगी और गांव के लोगों के सामने पहले से ज्यादा नई चुनौतियां आने वाली हैं।

फिर लौटेंगे धड़कपुर के पुराने किरदार

'दुपहिया सीजन 2' में पहले सीजन के कई प्रमुख कलाकार दोबारा अपने किरदारों में नजर आएंगे। गजराज राव, रेणुका शहाणे, स्पर्श श्रीवास्तव, भुवन अरोड़ा, शिवानी रघुवंशी और यशपाल शर्मा की वापसी हो रही है। इसके साथ ही भोजपुरी अभिनेता और गायक दिनेश लाल यादव, जिन्हें निरहुआ के नाम से भी जाना जाता है, इस बार कलाकारों की टीम का हिस्सा होंगे। सीरीज की कहानी एक बार फिर धड़कपुर के लोगों के इर्द-गिर्द घूमेगी। हालांकि इस बार गांव के सामने समस्याओं का नया दौर आने वाला है। पहले सीजन में कहानी का आधार एक ऐसे गांव की पहचान थी, जहां 25 साल से कोई अपराध नहीं हुआ था। अब दूसरे सीजन में इसी माहौल के बीच किरदारों की जिंदगी में और ज्यादा उलझनें और परेशानियां देखने को मिलेंगी।

पहले सीजन में चोरी की बाइक ने मचाई थी हलचल

'दुपहिया' का पहला सीजन नौ एपिसोड का था। कहानी एक स्कूल शिक्षक की चोरी हुई मोटरसाइकिल के इर्द-गिर्द घूमती थी। यह मोटरसाइकिल उसकी बेटी की शादी में दहेज के तौर पर दी जानी थी। बाइक चोरी होने के बाद उसे वापस ढूंढने की कोशिश शुरू होती है और यही घटनाक्रम धड़कपुर की 25 साल पुरानी अपराध-मुक्त पहचान के लिए खतरा बन जाता है। सीरीज ने गांव की रोजमर्रा की जिंदगी, छोटे शहरों के किरदारों और उनकी परेशानियों को मजेदार अंदाज में पेश किया था। इसके हास्य, याद रह जाने वाले किरदारों और कलाकारों की परफॉर्मेंस को दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। कहानी में कॉमेडी के साथ छोटे शहर की भावनात्मक दुनिया और रिश्तों की गर्माहट भी देखने को मिली थी। दूसरे सीजन को सोनम नायर ने निर्देशित किया है। इसके निर्माता और लेखक अविनाश द्विवेदी और चिराग गर्ग हैं। सलोना बैंस जोशी और शुभ शिवदासानी ने बॉम्बे फिल्म कार्टेल एलएलपी के बैनर तले सीरीज का निर्माण किया है। 'दुपहिया' के दूसरे सीजन की घोषणा पिछले साल मार्च में की गई थी।

ऑस्कर 2027 में भारत की ओर से जाएगी 'गोंधल', सिर्फ 84 लाख कमाने वाली मराठी फिल्म की कहानी है खास

मुंबई (एजेंसी)। ऑस्कर 2027 में भारत की तरफ से कौन-सी फिल्म दावेदारी पेश करेगी, इसका फैसला हो चुका है। मराठी सिनेमा के लिए एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। कोई बॉलीवुड नहीं बल्कि फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने मराठी फिल्म 'गोंधल' को ऑस्कर 2027 के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर चुना है। फिल्म का चयन होने के बाद अब यह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। अपनी कहानी और विषय को लेकर चर्चा में रही इस फिल्म से अब देशभर के सिनेमा प्रेमियों की उम्मीदें जुड़ गई हैं। ऑस्कर की रेस में भारत की ओर से 'गोंधल' का पहुंचना क्षेत्रीय सिनेमा की बढ़ती ताकत और उसकी कहानियों की व्यापक स्वीकार्यता को भी दर्शाता है। अब यह फिल्म बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म श्रेणी में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। खास बात यह है कि इस साल देश की अलग-अलग भाषाओं में बनी 33 फिल्मों ने ऑस्कर के लिए अपनी दावेदारी पेश की थी। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच चयन समिति ने 'गोंधल' को आगे भेजने का फैसला किया। अब 'गोंधल' के सामने अगली चुनौती अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाने की है। भारत की ओर से चुने जाने के बाद फिल्म की यात्रा अब ऑस्कर की आगे की चयन प्रक्रिया तक पहुंचेगी। मराठी फिल्म 'गोंधल' की कहानी ग्रामीण महाराष्ट्र की पृष्ठभूमि में होने वाले पारंपरिक गोंधल अनुष्ठान के बीच आकार लेती है। फिल्म की मुख्य किरदार सुमन एक ऐसे विवाह में फंस जाती है, जिसमें उसे आर्थिक रूप से संपन्न आनंद से शादी करनी पड़ती है, जबकि उसका दिल गोंधली कलाकार साहेबा के लिए धड़कता है। इस रिश्ते से बाहर निकलने के लिए सुमन एक खतरनाक योजना बनाती है। वह आनंद के चचेरे भाई सरजेराव की उसके प्रति दीवानगी का फायदा उठाती है और उसे ऐसे अपराध की ओर धकेलती है, जिसे वह खुद अंजाम नहीं दे सकती। फिल्म में गोंधल की रातभर चलने वाली परंपरा, संगीत और धार्मिक अनुष्ठान कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

1000 लड़कियों की पढ़ाई के लिए रणवीर सिंह ने बढ़ाया हाथ, 'सेवा संकल्प अभियान' से जुड़े

मुंबई (एजेंसी)। रणवीर सिंह ने मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा में भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और शहर में गणेश चतुर्थी के जश्न में शामिल हुए। रणवीर और उनका परिवार इन दिनों कई वजह से चर्चा में हैं, क्योंकि उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण इस महीने अपने दूसरे बच्चे को जन्म देने वाली हैं। इस बीच रणवीर सिंह ने ऐलान किया है कि वह 'सेवा संकल्प अभियान' के जरिए 1000 लड़कियों की पढ़ाई का जिम्मा उठाएंगे। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने 20 स्कूलों को बेहतर बनाने का संकल्प लिया था। रणवीर सिंह ने उस खुशी

के बारे में बताया, जो उनके परिवार ने पिछले साल महसूस की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर 'सेवा संकल्प अभियान' के जरिए 1,000 लड़कियों की शिक्षा में योगदान देने का संकल्प भी लिया। उन्होंने लालबागचा राजा के दर्शन करने और प्रार्थना करने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने अपनी इस यात्रा को बप्पा के प्रति आभार व्यक्त करने और आगे के सफर के लिए ईश्वरीय मार्गदर्शन पाने का एक मौका बताया। एक्टर ने कहा, 'यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। बप्पा की कृपा से, पिछला साल मेरे और मेरे परिवार के लिए खुशियों भरा रहा है। इसलिए हम यहां उनके दर्शन करने, अपना आभार व्यक्त करने और आगे के सफर यानी जिंदगी के सफर के लिए उनका आशीर्वाद लेने आए हैं।' रणवीर ने आगे कहा, 'गणेश चतुर्थी और हमारे सम्मानित प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर मैं सेवा संकल्प अभियान से जुड़कर 1,000 बेटियों की शिक्षा में सहयोग करने का संकल्प लेता हूं।

सेहत

सर्दियों में मॉर्निंग वॉक से पहले रखें कुछ खास बात बातों का ख्याल

मॉर्निंग वॉक इसलिए भी जरूरी है कि क्योंकि इसमें शरीर में जमा खराब और एक्सट्रा कोलेस्ट्रॉल बाहर निकलता है। इसमें मांसपेशियों को खूब इस्तेमाल होता है। लंबे मॉर्निंग वॉक के दौरान शरीर डिहाइड्रेट हो सकता है इसलिए शरीर में पानी की कमी महसूस न होने दें। ऐसे में सबसे जरूरी चीज यह है कि आप मॉर्निंग वॉक करने से पहले कुछ खास बात बातों का जरूर ख्याल रखें. नहीं तो ज्यादा वॉक से आपको नुकसान भी हो सकता है।

आपका पेट एकदम साफ होना चाहिए

मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले पेट को एकदम साफ रखें। क्योंकि अगर पेट साफ नहीं रहेगा तो कब्ज की स्थिति बनी रहेगी। शरीर की गर्मी आपके पेट में कब्ज पैदा कर सकती है।

ढेर सारा पानी पिएं

मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले ढेर सारा पानी पीना जरूरी है। ताकि आपका शरीर डिहाइड्रेट न रहें और मांसपेशियों में ताकत बनी रहे।

मॉर्निंग वॉक के दौरान स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज जरूर करें. जिससे ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है. और वॉक करने की क्षमता बढ़ती है. मॉर्निंग वॉक करने से पहले इन ऊपर दिए गए बातों का खास ख्याल रखें।

एक बैग अपने साथ रखें

बैग रखना इसलिए जरूरी है ताकि आप उसमें अपने पानी का बोतल, फोन, हेडफोन, और गर्मी लगने पर जैकेट खोलने के बाद उसमें डाल लें। **(एजेंसी)**

हेल्दी माने जाने वाले ये ड्राई फ्रूट्स हार्ट और किडनी के लिए हैं खतरनाक

ड्राई फ्रूट्स सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं, लेकिन किसी भी चीज़ का अत्यधिक सेवन नुकसानदायक हो सकता है, और यह बात ड्राई फ्रूट्स पर भी लागू होती है। कुछ ड्राई फ्रूट्स ऐसे होते हैं जिनका ज़्यादा सेवन हार्ट से लेकर किडनी की सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

इन ड्राई फ्रूट्स का ज़्यादा सेवन है खतरनाक:

अखरोट: अखरोट दिल और दिमाग के लिए फायदेमंद होते हैं। लेकिन इसमें कैलोरी बहुत ज़्यादा होती है। इसके ज़्यादा सेवन से वजन बढ़ता है।

ज़्यादा अखरोट खाने से कुछ लोगों को पेट फूलना, गैस या पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ लोगों को अखरोट से एलर्जी हो सकती है, जिससे सूजन या सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

पिस्ता: पिस्ता भी प्रोटीन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर हैं। लेकिन अखरोट की तरह, पिस्ता में भी कैलोरी ज़्यादा होती है, जिससे वजन बढ़ सकता है। इसमें ऑक्सालेट होते हैं, जो किडनी स्टोन के जोखिम को बढ़ाते हैं। नमकीन पिस्ता खाने से शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ सकती है, जो हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए हानिकारक है।

काजू: काजू में हेल्दी फैट, प्रोटीन, विटामिन और मिनिरल्स होते हैं। लेकिन इनके ज़्यादा सेवन से वजन बढ़ सकता है जो हार्ट की हेल्थ के लिए अच्छा नहीं है। पिस्ता की तरह, काजू में भी ऑक्सालेट होते हैं जो किडनी स्टोन के जोखिम को बढ़ाते हैं। जिन लोगों को किडनी स्टोन की समस्या रह चुकी है, उन्हें इसका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

चिलगोजा: चिलगोजा में कैलोरी बहुत ज़्यादा होती है। एक छोटी मुट्ठी भी काफी कैलोरी दे सकती है, इसलिए इसके ज़्यादा सेवन से वजन बढ़ सकता है। फैट से भरपूर होने के कारण ज़्यादा चिलगोजा खाने से कुछ लोगों को अपच या पेट खराब हो सकता है। **(एजेंसी)।**

मानसून में डायबिटीज को कैसे कंट्रोल रखें?

इम्यूनिटी बढ़ाने वाला खाना खाएं- बारिश के दौरान स्ट्रीट फूड लोगों को अच्छा लगता है, लेकिन ये खाना खराब होने का खतरा भी कहीं ज्यादा होता है। ऐसे में डायबिटीज के रोगियों को संक्रमण को रोकना कठिन हो सकता है। खाने में घर की बनी चीजें, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर चीजें, पकी सब्जियां, खाएं। फल सब्जियों को अच्छी तरह धोकर खाएं।

पैरों की खास देखभाल करें- मधुमेह पीड़ितों को इस समय अपने पैरों की खास देखभाल करनी चाहिए। पैर गीले होने पर फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। इस मौसम में चोट लगने से भी बचाएं।

पैरों को सूखा रखें। गीले सॉक्स न पहनें। पैरों के नाखून साफ और कटे हुए रखें। नंगे पैर चलने से बचें। आरामदायक जूते ही चुनें।

नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच- मानसून में नियमित रूप से अपने ब्लड शुगर की जांच रखें। खाने, व्यायाम या तनाव के स्तर में ग्लूकोज लेवल प्रभावित कर सकता है। मौसम में नमी और तापमान में परिवर्तन भी इंसुलिन संवेदनशीलता को प्रभावित कर सकते हैं।

जिससे ब्लड शुगर कम या ज्यादा हो सकता है। इसलिए समय समय पर ब्लड शुगर की जांच करते रहें।

घर में कोई न कोई व्यायाम करें- इस मौसम में भी अपनी फिटनेस दिनचर्या को कम न होने दें, भले ही आपको घर के अंदर ही क्यों न व्यायाम करना पड़े। बारिश न हो तो बाहर जाकर वॉक करें। घर के अंदर लो इंटेंसिटि वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं। जैसे 30 मिनट की छोटी कसरत या घर के अंदर रोजाना सुबह की वॉक कर लें इससे ब्लड शुगर मेंटेन रहेगा।

हाइड्रेटेड रहें- ह्यूमिडिटी के मौसम में डिहाइड्रेशन की समस्या बढ़ जाती है। जिससे ग्लूकोज का लेवल भी प्रभावित हो सकता है। इसलिए सुनिश्चित करें कि आप खूब पानी पीते रहें। भले ही आपको प्यास न लगे। हर्बल टी और इन्फ्यूज्ड पानी भी हाइड्रेशन में सहायता कर सकते हैं। **(एजेंसी)।**

फायदेमंद है अजवाइन, हींग और काला नमक का सेवन

अजवाइन हींग और काला नमक, तीनों ही डाइजेस्टिव गुणों से भरपूर है। अजवाइन जहां एंटीबैक्टीरियल है वहीं, हींग आपकी सेहत के लिए फायदेमंद है। हींग में कुछ डाइजेस्टिव गुण होते हैं जो कि आंतों के काम काज को तेज करते हैं। इसके अलावा काला नमक पेट में हाइड्रेशन को बढ़ाता है और एक लैक्सटेसिव की तरह काम करता है। इससे आंतों में थोक जुड़ता है और जिससे मल त्याग आसान हो जाता है। इतना ही नहीं ये पेट की कई समस्याओं में भी कारगर तरीके से काम करता है।

इन 3 समस्याओं में खाएं अजवाइन हींग और काला नमक

1. कब्ज में

अजवाइन हींग और काला नमक कब्ज की समस्या में कारगर तरीके से काम करते हैं। ये लैक्सटेसिव है जो कि मल त्याग को आसान बनाता है। ये आंतों की गतिविधियों को तेज करता है और मल त्याग को आसान बनाता है। इसके अलावा ये तीनों पानी को सोख लेते हैं और आंतों की गति को तेज कर देते हैं। इसकी वजह से बॉवेल मूवमेंट तेज होता है और मल त्याग को आसान बनाता है।

2. एसिडिटी और अपच में

एसिडिटी और अपच की समस्या में अजवाइन हींग और काला नमक का सेवन फायदेमंद है। ये पेट में बने अतिरिक्त गैस को बाहर निकालने और एसिडिटी को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा ये सीने में जलन और जीआरडी के लक्षणों में कमी लाता है। साथ ही ये पेट के अस्तर को आराम पहुंचाता है जिससे एसिड रिफ्लक्स कम होता है। इतना ही नहीं ये खाना पचाने में मदद करता है जिससे अपच की समस्या नहीं होती है।

3. पेट दर्द में

पेट दर्द में ये तीनों ही चीजें कारगर तरीके से काम आती हैं। दरअसल, ये तीनों एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है जो कि पेट दर्द से आराम दिलाते हैं। ये आपके पेट में डाइजेस्टिव एंजाइम्स को बढ़ावा देते हैं जिससे पेट हो रही दर्द और सूजन में कमी आती है। तो, अजवाइन हींग और काला नमक का सेवन करें और इन तमाम समस्याओं से छुटकारा पाएं। ये कारगर तरीके से काम करते हैं।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

शनिवार 19 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

युवक से गाली-गलौज डंडे से पीटा

महासमुंद। सरायपाली थाना क्षेत्र के ग्राम पैकिन में विवाद के बाद एक युवक के साथ डंडे से मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पैकिन निवासी किशन पटेल (19) 14 सितंबर की शाम करीब 7.30 बजे अपने घर के सामने दोस्त शोभित भोई और महेश बरिहा के साथ खड़ा था। इसी दौरान गांव का कुलमणि वहां पहुंचा और किशन के साथ उसका विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान कुलमणि ने गाली-गलौज करते हुए किशन पटेल के साथ डंडे से मारपीट की। रिपोर्ट पर सरायपाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 296, 115(2), 351(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

ताला तोड़कर जेवर और नकदी चोरी

महासमुंद। तुमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम भोरिंग में सूने मकान का ताला तोड़कर चोर सोने-चांदी के जेवर और नकदी ले गए। पुलिस ने मकान मालिक की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भोरिंग निवासी छोटूराम साहू ने पुलिस को बताया कि 14 सितंबर को वह अपने नए मकान में ताला लगाकर मंडी के सामने स्थित पुराने घर चला गया था। 15 सितंबर की सुबह वापस लौटने पर नए मकान का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो कमरे में रखी आलमारी और अन्य सामान की जांच करने पर चोरी का पता चला।

चोर दो नग चांदी के हाफ करधन, जिसकी कीमत करीब 10 हजार रुपए, दो नग चांदी की बिछिया 2 हजार रुपए, बच्चे का चांदी का करधन 1500 रुपए, एक पायल 2 हजार रुपए और एक चांदी का सिक्का करीब 1 हजार रुपए कीमत का ले गए। इसके अलावा गुल्लक और पर्स में रखे 2500 रुपए नकद भी गायब मिले। रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

शहरीकरण की बढ़ती जरूरतों के अनुरूप तैयार हो रहा नया छत्तीसगढ़, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को प्राथमिकता

विकास की नई रफ्तार से बदल रहा छत्तीसगढ़, अधोसंरचना को मिल रही मजबूती : अरुण साव

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में विकास का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। राज्य की अधोसंरचना को नई मजबूती दी जा रही है। सड़क, परिवहन और कनेक्टिविटी से लेकर आवास, जलापूर्ति और सार्वजनिक परिवहन तक के लिए आने वाले समय की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकास की आधारभूत संरचना तैयार की जा रही है। मजबूत अधोसंरचना आर्थिक विकास की बुनियाद है और राज्य सरकार इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। अधोसंरचना विकास पर अब तक 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज 'विकसित छत्तीसगढ़ कॉन्क्लेव-2026' में ये बातें कहीं।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नवा रायपुर में इकोनॉमिक टाइम्स ग्रुप द्वारा आयोजित 'छत्तीसगढ़ कॉन्क्लेव-2026' के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकास की इस रफ्तार को बनाए रखने के लिए राज्य में अधोसंरचना के विस्तार पर लगातार काम किए जा रहे हैं। बेहतर सड़कें, सुगम परिवहन और मजबूत कनेक्टिविटी न केवल लोगों की आवाजाही को आसान बनाती हैं, बल्कि उद्योग, व्यापार और निवेश के लिए भी अनुकूल वातावरण तैयार करती हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री

श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार उन राज्यों और क्षेत्रों की विकास संबंधी जरूरतों पर भी विशेष ध्यान दे रही है, जो लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा में अपेक्षाकृत पीछे रहे हैं। श्री साव ने विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां कनेक्टिविटी, अधोसंरचना और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे देश के अलग-अलग हिस्सों के बीच विकास का संतुलन मजबूत हो रहा है और दूरस्थ क्षेत्रों को भी व्यापक आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने के अवसर बढ़ रहे हैं। श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास का लाभ अधिक से अधिक क्षेत्रों और लोगों तक पहुंचाने के लिए अधोसंरचना को लगातार मजबूत किया जा रहा है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और शहरों की बढ़ती आबादी के साथ लोगों की जरूरतें भी बदल रही हैं। ऐसे में केवल वर्तमान जरूरतों के लिए नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर शहरी सुविधाओं और अधोसंरचना का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक प्रगति के लिए मजबूत अधोसंरचना जरूरी है। सड़कों और परिवहन सुविधाओं के विस्तार से कनेक्टिविटी बेहतर होती है और इसका सीधा लाभ आर्थिक गतिविधियों को मिलता है। छत्तीसगढ़ में इसी दृष्टि से अधोसंरचना विकास को विकास की गति से जोड़ते हुए काम किया जा रहा है।

कॉन्क्लेव में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक श्री नीलेश महादेव क्षीरसागर ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ शहरों की जरूरतों का स्वरूप भी बदल रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक शहरी अधोसंरचना तैयार की जा रही है।

बच्चों ने रंगों में उकेरी विकसित भारत की तस्वीर, शिक्षा मंत्री ने बढ़ाया उत्साह

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पाटन स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित ड्रॉइंग एवं रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रंगों के माध्यम से विकसित भारत के अपने सपनों और कल्पनाओं को जीवंत रूप दिया। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी कला, रचनात्मक सोच और प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।शिक्षा मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक श्री गजेन्द्र यादव ने कार्यक्रम में शामिल होकर विद्यार्थियों द्वारा तैयार चित्रों एवं रंगोलियों का

अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से उनकी कलाकृतियों के विषय में संवाद किया और उनकी कल्पनाशीलता एवं रचनात्मकता की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने देश की प्रगति, आत्मनिर्भरता, शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं तकनीक सहित विभिन्न विषयों को अपनी कलाकृतियों में स्थान दिया। रंगोली के माध्यम से भी बच्चों ने विकसित और आत्मनिर्भर भारत की अपनी कल्पना को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यालय परिसर में सजी रंग-बिरंगी कलाकृतियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और भविष्य के भारत को लेकर उनकी सोच की सुंदर झलक प्रस्तुत की।शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि बच्चों ने अपनी कला के माध्यम से विकसित भारत की सुंदर तस्वीर को कागज और रंगों पर जीवंत रूप से उकेरा है। इन कलाकृतियों में केवल रंग और आकृतियां ही नहीं, बल्कि बच्चों के सपने, उनकी सोच और देश भविष्य को लेकर उनकी कल्पनाएं भी दिखाई देती हैं।

आवास प्लस 2.0 की सूची वेबसाइट और पंचायतों के सूचना पटल पर उपलब्ध

सूरजपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार योजना की मार्गदर्शिका अनुरूप कलेक्टर रेना जमील एवं जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस 2.0 के माध्यम से छूटे हुए पात्र परिवारों के सर्वेक्षण कार्य पूर्ण होने के बाद ग्राम सभा के सत्यापन एवं अनुमोदन उपरान्त किए गए परिवर्तनों को जनपद पंचायत के माध्यम से ऑनलाइन एंट्री पश्चात् जिले को सूची प्राप्त हुई है। जिला स्तर पर सभी परिवर्तनों को अनुमोदित करने पूर्व जिला स्तर पर गठित अपीलीय समिति के निर्णय एवं मार्गदर्शिका अनुसार सभी संशोधनों पर दावा आपत्ति आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया है।

सर्वेक्षण उपरांत प्रगणक एवं चेकर के भौतिक सत्यापन के बाद भारत सरकार से जारी सूची का ग्राम सभाओं में वाचन, सत्यापन एवं अनुमोदन कराया गया। ग्राम सभाओं से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार जिले की 6 जनपद पंचायतों में कुल 8,688 परिवार अपात्र पाए गए हैं। इसमें भैयाथान से 2750, ओड़गी से 1181, प्रतापपुर से 2448, प्रेमनगर से 206, रामानुजनगर से 661 एवं सूरजपुर से 1442 परिवार शामिल हैं। इसी प्रकार जिले के 5 जनपद पंचायतों में कुल 2,412 परिवारों के प्राथमिकता क्रम में बदलाव हुआ है, इसमें भैयाथान जनपद से 515, प्रतापपुर से 75, रामानुजनगर से 682, सूरजपुर से 14 तथा प्रेमनगर से 1126 परिवार सम्मिलित हैं। जनपद पंचायतों द्वारा आवास पोर्टल पर उक्त फैक्ट अपडेट करने के उपरांत अपात्र परिवारों एवं प्राथमिकता क्रम में बदलाव की सूची को जिला स्तरीय अपीलीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

आपका काम ही आपकी पहचान, ऐसा काम करें जिसे आने वाली पीढ़ियां याद रखें : कलेक्टर

धमतरी (वीएनएस)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज अभियंता दिवस के अवसर पर गंगरेल बांध रेस्ट हाउस में गरिमामयी समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभिन्न निर्माण एवं तकनीकी विभागों के अभियंताओं ने भारत रत्न एवं महान अभियंता डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के योगदान और उनकी दूरदृष्टि को स्मरण करते हुए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, नवाचार, तकनीकी दक्षता एवं जनोपयोगिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।

समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि "आपका काम ही आपकी पहचान है।" उन्होंने कहा कि डॉ. विश्वेश्वरैया के कार्य आज भी उनकी दूरदृष्टि, तकनीकी क्षमता और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण की पहचान हैं। उन्होंने अभियंताओं का आह्वान करते हुए कहा कि अपने कार्य में उत्कृष्टता की ऐसी सोच विकसित करें, जिससे उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बन सके।

कलेक्टर ने कहा कि किसी भी निर्माण कार्य की वास्तविक गुणवत्ता केवल उसके पूर्ण होने से नहीं, बल्कि उसके लंबे समय तक उपयोगी और सुरक्षित बने रहने से निर्धारित होती है। उन्होंने अभियंताओं को नियमित रूप से मैदानी निरीक्षण करने, निर्माण कार्यों की बारीकियों को समझने और गुणवत्ता की सतत निगरानी करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन कार्यों के साथ मैदानी अनुभव भी अभियंताओं की कार्यकुशलता को मजबूत करता है।

घरों, मंदिरों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर जलाया गया आशीर्वाद का दिया

सूरजपुर। सेवा, संकल्प और जनभागीदारी की रोशनी से बुधवार की शाम पूरा सूरजपुर जिला जगमगा उठा। सेवा संकल्प अभियान की पहली पहल आशीर्वाद का दिया के अंतर्गत जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने उत्साहपूर्वक दीप प्रज्वलित किए। घरों की चौखट से लेकर मंदिर परिसरों, विद्यालयों, ग्राम पंचायतों और सार्वजनिक स्थलों तक जलते दीपों ने सेवा, सद्भाव और विकसित भारत के निर्माण में सहभागिता दी। अभियान में शहर और गांव के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के

लोग एक सूत्र में जुड़ते हुए व्यापक जनभागीदारी का संदेश दिया। सूरजपुर जिले के सभी विकासखंडों और नगरीय निकायों में नागरिकों ने अपने-अपने स्तर पर अभियान में भागीदारी निभाई। ग्रामीण क्षेत्रों में परिवारों ने घरों की चौखट और आंगन में दीप तो वहीं नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों ने अपने घरों, प्रतिष्ठानों तथा सार्वजनिक स्थलों पर दीप जलाकर अभियान से जुड़ने का संदेश दिया।

ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, स्वसहायता समूह की महिलाओं और विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलित किया। मंदिरों और अन्य सार्वजनिक परिसरों में बड़ी संख्या में जलते दीपों ने वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

अभियान में स्कूली बच्चों और युवाओं की सहभागिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसरों और अपने घरों में दीप जलाकर सेवा, राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत-2047 के संकल्प से जुड़ने का संदेश दिया।

PSSOU के दो अहम MOU, शिक्षा और जनजातीय शोध को मिलेगा नया मंच

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर ने शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MOU) किए हैं। विश्वविद्यालय ने *महर्षि प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (MUMT) तथा जनजातीय अनुसंधान एवं ज्ञान केंद्र, नई दिल्ली के साथ समझौता किया है। इन समझौतों के जरिए अकादमिक गतिविधियों, संयुक्त शोध, प्रशिक्षण, नवाचार और जनजातीय विषयों पर अध्ययन को संस्थागत स्तर पर आगे बढ़ाने का आधार तैयार हुआ है।

अकादमिक गतिविधियों से लेकर डिजिटल शिक्षा तक सहयोग

महर्षि प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साथ हुए समझौते के तहत दोनों संस्थान अकादमिक, अनुसंधान, प्रशिक्षण, नवाचार, विस्तार और संस्थागत विकास के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। संयुक्त संगोष्ठी, कार्यशाला, व्याख्यान और अकादमिक आयोजनों के साथ अंतर्विषयी अध्ययन तथा पाठ्यचर्या से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।

दोनों संस्थान MOOCs, मुक्त शैक्षिक संसाधन (OER), डिजिटल एवं स्व-अध्ययन सामग्री तथा तकनीक आधारित शिक्षण संसाधनों के विकास में भी सहयोग कर सकेंगे।

संयुक्त शोध और प्रकाशन को बढ़ावा

MOU के तहत संयुक्त अनुसंधान, सर्वेक्षण, क्षेत्र अध्ययन, प्रायोजित शोध, परामर्श और संयुक्त प्रकाशन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए अनुसंधान पद्धति, प्रशिक्षण, विशेषज्ञ व्याख्यान और संकाय विकास कार्यक्रमों के आयोजन की संभावनाएं भी रखी गई हैं।

विद्यार्थियों को इंटर्नशिप, परियोजना कार्य, क्षेत्रीय अनुभव, शैक्षिक भ्रमण, कौशल विकास, करियर मार्गदर्शन और उद्यमिता से जुड़े अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में भी दोनों संस्थान मिलकर काम कर सकेंगे।

जनजातीय समाज से जुड़े विषयों पर विशेष फोकस

जनजातीय अनुसंधान एवं ज्ञान केंद्र, नई दिल्ली के साथ हुए MOU में जनजातीय मुद्दों और अनुसूचित जनजातियों से जुड़े विषयों पर संयुक्त अध्ययन एवं शोध को प्रमुखता दी गई है। सम्मेलन, संगोष्ठी, प्रकाशन और ज्ञान-साझाकरण जैसी गतिविधियों के माध्यम से जनजातीय विषयों पर अकादमिक विमर्श को आगे बढ़ाया जा सकेगा।

समझौते के तहत जनजातीय अनुसंधान एवं ज्ञान केंद्र रणनीति निर्माण, योजना और कार्य-रोडमैप तैयार करने में बौद्धिक सहयोग प्रदान करेगा। आवश्यकता के अनुसार केंद्र अपनी विशेषज्ञता और ज्ञान भी उपलब्ध करा सकेगा।

दो सदस्यीय संचालन समिति करेगी समन्वय

MOU के तहत प्रस्तावित गतिविधियों के समन्वय और निगरानी के लिए दोनों पक्षों से एक-एक प्रतिनिधि वाली दो सदस्यीय संचालन समिति गठित करने का प्रावधान किया गया है। बौद्धिक संपदा, स्वामित्व, प्रोत्साहन और ज्ञान-साझाकरण से जुड़े विषय संबंधित कार्य की प्रकृति के अनुसार आपसी सहमति से तय किए जाएंगे।

शिक्षकों, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए नए अवसर

विश्वविद्यालय के अनुसार दोनों समझौतों का उद्देश्य विशेषज्ञता और संसाधनों के साझा उपयोग के साथ संस्थागत सहयोग को व्यावहारिक रूप देना है। इससे शिक्षकों, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए अकादमिक एवं शोध के नए अवसर विकसित हो सकेंगे।

वहीं जनजातीय अनुसंधान से जुड़े समझौते के माध्यम से जनजातीय समाज, संस्कृति, परंपरा और समसामयिक विषयों पर अध्ययन को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर PSSOU की ओर से कुलपति प्रो. वी. के. सारस्वत एवं कुलसचिव श्री चंद्रभूषण मिश्र उपस्थित रहे। MUMT की ओर से कुलपति प्रो. डॉ. नरेश कुमार तिवारी एवं कुलसचिव डॉ. विजय गरुडिक शामिल हुए।

जनजातीय अनुसंधान एवं ज्ञान केंद्र, नई दिल्ली की ओर से प्रदेश समन्वयक राजीव शर्मा एवं सामाजिक कार्यकर्ता वैभव सुरंगे उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान में प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण का संदेश, बाँसबाड़ी वन क्षेत्र में चला स्वच्छता अभियान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अम्बिकापुर में सरगुजा वनमण्डल द्वारा बाँसबाड़ी वन कक्ष क्रमांक आर.एफ. 2580 में प्लास्टिक मुक्त जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति श्री हरमिंदर सिंह, पार्षदगण सहित जनप्रतिनिधियों, वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों एवं नागरिकों ने सहभागिता की। अभियान के दौरान जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों और वन विभाग की टीम ने श्रमदान करते हुए वन क्षेत्र में बिखरे प्लास्टिक एवं अन्य कचरे की सफाई की। इस दौरान लोगों को प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग से पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए प्लास्टिक का उपयोग कम करने और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता

कार्यक्रम में प्रकृति, पर्यावरण और वन्यजीवों के संरक्षण के महत्व पर विशेष रूप से जागरूक किया गया। नागरिकों

से वन क्षेत्रों में प्लास्टिक एवं अन्य कचरा नहीं फेंकने, स्वच्छता बनाए रखने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस पहल में स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ते हुए प्लास्टिक मुक्त एवं पर्यावरण अनुकूल वातावरण बनाने का संदेश दिया गया। अभियान के माध्यम से प्रकृति और वन संपदा के संरक्षण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में सरगुजा वनमण्डल के वनमण्डलाधिकारी श्री लोकनाथ पटेल, प्रशिक्षु आईएफएस श्री कुणाल मिश्रा, रेंजर श्री आशीष देवांगन सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

:- संपादकीय :-

प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज

नेपाल की त्रासदी का संदेश है कि प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुरक्षा की बलि देना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना संभव नहीं रह जाएगा।ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, यह चर्चा दशकों पुरानी हो चुकी है। इसके क्या घातक परिणाम होंगे, इसको लेकर वैज्ञानिक चेतावनियां भी आम चर्चा में रही हैं। कई दिन की जांच-पड़ताल के बाद अब यह साफ है कि नेपाल में 26 अगस्त को जो हुआ, वह उन चेतावनियों का ही साकार रूप लेना था। इसीलिए उस रोज हुई ग्लेशियर टूटने की घटना को महज प्राकृतिक आपदा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। स्पष्टतः यह हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के हुए प्रभाव का परिणाम है। इसलिए यह एक गंभीर चेतावनी है। इसे ध्यान में रखना चाहिए कि ग्लेशियल झील के फटने से आने वाली बाढ़ जैसी त्रासदियां अनहोनी का हो जाना भर नहीं हैं। बल्कि ये इनसान की अ-दूरदर्शिता का सीधा परिणाम हैं।26 अगस्त को नेपाल-चीन सीमा के पास लांगटांग लिरुंग क्षेत्र में एक विशाल ग्लेशियर अचानक खिसक गया। यह घटना लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई पर हुई। ग्लेशियर टूट कर लगभग 1,200 मीटर नीचे स्थित घाटी में गिरा। उसके प्रभाव से तीव्र घर्षण पैदा हुआ और अत्यधिक बर्फ पिघलकर गारे और चट्टानों के साथ बह निकली। यह घटना बताती है कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हर पल मॉनिटरिंग और उपग्रह आधारित निगरानी की कितनी कमी है। समय पर हिमनद झील के बढ़ते जलस्तर का आकलन कर निचले इलाकों के लिए चेतावनी जारी कर दी जाती, तो जान-माल के नुकसान को सीमित किया जा सकता था। यह भी गौरतलब है कि हिमालय जैसे पारिस्थितिकीय नजरिए से नाजुक क्षेत्र में बिना ठोस पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन किए पनबिजली परियोजनाओं, सड़कों, और सुरंगों का अंधाधुंध निर्माण किया जा रहा है। इससे ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने का जोखिम कई गुना बढ़ा है।उधर बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण हिमनद तेजी से पिघलकर खतरनाक झीलों का रूप ले रहे हैं। कुल मिलाकर इस त्रासदी का संदेश है कि प्रकृति के तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुरक्षा की बलि देना और जलवायु परिवर्तन संबंधी चेतावनियों को नजरअंदाज करना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना अब संभव नहीं रह गया है।

मानवीय जिद और प्रकृति का कहर

ऋतुपर्ण दवे

नेपाल बेहद कम दूरी में उच्च हिमालय से लेकर अपेक्षाकृत समतल तराई के मैदानों तक ढलानों वाले क्षेत्र में फैला हुआ है, जिससे ऊपर हुई बारिश का असर नीचे पड़ता है। बस इसी का पहले से पता लगाने और सतर्क रहने से काफी त्रासदियां रोकी जा सकती हैं। अभी अर्ली वा?नग सिस्टम यानी पूर्वसूचना प्रणाली भी लगी थी, जो खुद चपेट में आ गई वरना काफी हद तक मानवीय क्षति को काबू किया जा सकता था। भविष्य में जोखिम वाले इलाकों की पहले से ही पहचान कर आपदा की प्रतीक्षा से बेहतर नदी किनारे की बस्तियों को थोड़ी सी भी आहट में हटा कर जन और धन दोनों की क्षति कम की जा सकती है। सच तो यह कि आपदा संभावित क्षेत्रों में यदि बस्तियां ही नहीं बसें तो इससे बेहतर कुछ हो नहीं सकता।इसके बाद तिमुरे, रसुवागढ़ी, स्याफ्रूबेसी और आसपास के इलाकों में नदी के किनारे बने मकान, सड़क, पुल और दूसरे रोजमर्रा के उपयोग के निर्माण चपेट में आ गए। त्रासदी यह कि पानी केवल नदी की सामान्य बाढ़ की तरह नहीं बढ़ा, बल्कि अपने साथ भारी मात्रा में तलछट, बड़े पत्थर और मलबा भी नीचे ले आया।इससे नुकसान केवल जलभराव तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इमारतें और पुल-पुलिया भी बह गए।

नेपाल में आई बाढ़ से हुई विध्वंसक तबाही ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। भले ही घटना प्राकृतिक रही लेकिन वास्तविक कारणों में कहीं न कहीं मानवीय जिद भी जरूर है। इस तबाही का केन्द्र बिन्दू तिब्बत (चीन) का ऊपरी पहाड़ी क्षेत्र रहा, जहां ल्हेंदे नदी के पास एक बड़े ग्लेशियर के ढहने से भारी सैलाब आया। इसकी धमक इतनी ज्यादा थी कि शुरू में भूकंप का भ्रम हुआ। हालांकि कुछ घंटों बाद भूकंप भी आया, जिसने एक नया खौफ पैदा कर दिया। इस आपदा का ऐसा खौफनाक रूप दिखा, जिसने हर तरफ सिर्फ मलबा, मौत, चीख-पुकार का मंजर दिखाया। नेपाल की भयावह तस्वीरों ने सबको हिला कर रख दिया। अभी मौत के प्रारंभिक आंकड़े भले ही कम (500 से अधिक) हों लेकिन ये कितना बढ़ेंगे इस बात का अंदाजा नहीं है। करीब 2000 से ज्यादा लोग लापता हैं। इसमें ज्यादातर भारतीय हैं, जिनकी संख्या 300 के लगभग है। इनमें कुछ तो प्रतिष्ठित आई.टी. कंपनी के हैं। अब तक 84 भारतीयों को सुरक्षित बचा लिया गया है। इनमें त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजैक्ट के 63 कर्मचारी और तमिलनाडु के 21 लोग शामिल हैं।एकाएक 26 अगस्त की सुबह बाढ़, मलबा ऐसे आया, जिसका किसी को अंदाजा नहीं था क्योंकि इतनी भारी बारिश भी नहीं हुई थी कि लोग सतर्क हो संभल सकें। चीन के तिब्बती क्षेत्र से सटे इलाकों में अचानक आए भारी मात्रा में पानी, बर्फ, चट्टानों और रेत-कीचड़ का मलबा नेपाल की ओर बढ़ा जिसने एकाएक भोटेकोशी नदी का जलस्तर चंद मिनटों में ही बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया। इसी के चलते इसे जल प्रलय भी कह रहे हैं। लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले सुबह 9 बजे नदी में अचानक तेज उफान आया। इसके बाद तिमुरे, रसुवागढ़ी, स्याफ्रूबेसी और आसपास के इलाकों में नदी के किनारे बने मकान, सड़क, पुल और दूसरे रोजमर्रा के उपयोग के निर्माण चपेट में आ गए। त्रासदी यह कि पानी केवल नदी की सामान्य बाढ़ की तरह नहीं बढ़ा, बल्कि अपने साथ भारी मात्रा में तलछट, बड़े पत्थर और मलबा भी नीचे ले आया।इससे नुकसान केवल जलभराव तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इमारतें और पुल-पुलिया भी बह गए।

बेट्रावती से रसुवागढ़ी सीमा तक लगभग 42 किलोमीटर सड़क बाढ़ से बुरी तरह टूट-फूट गई और कंक्रीट के कई पुल भी बह गए। एकाएक आई बाढ़ की गति कितनी रही होगी, अंदाजा ही मुमकिन है क्योंकि त्रिशूली नदी पर गलछी में जलस्तर 30 मिनट में ही 9 मीटर तक बढ़ गया। मालखु में भी इसी दौरान करीब 7 मीटर की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि सामान्य मानसूनी बाढ़ की तुलना में कहीं बहुत ज्यादा खतरनाक निकली। बाढ़ की लहर भोटेकोशी से आगे त्रिशूली नदी तंत्र में पहुंची। इससे रसुवा से नीचे की ओर नुवाकोट और धादिंग समेत कई इलाकों में नदी के किनारे बसे क्षेत्रों के लिए जोखिम बढ़ गया। कुछ जल निगरानी केंद्र भी बाढ़ के दौरान क्षतिग्रस्त हुए, जिससे वास्तविक समय में नदी की निगरानी का काम और भी कठिन हुआ।स्थिति की भयावहता तब और बढ़ गई जब गुरुवार रात 9.18 बजे 3.2 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र 10 कि.मी. की गहराई पर था। इससे वहां बाढ़ का खतरा फिर मंडरा रहा है। इधर चीन ने बताया कि रसुवागढ़ी बॉर्डर से 18 कि.मी. ऊपर तिब्बत की ल्हेंदे नदी में एक नई बैरियर झील बन गई है जो लगभग 0.11 वर्ग कि.मी. में फैली है और करीब 200 करोड़ लीटर पानी जमा है जिसमें अगले 3 दिनों में 300 करोड़ लीटर और पानी आ सकता है। मतलब कि यह झील भी टूट सकती है। यदि ऐसा हुआ तो भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में फिर अचानक बाढ़ आ सकती है। अभी नेपाल की ओर के ढलानदार भूभागों की बस्तियां, सड़कें, पुल, जलविद्युत परियोजनाएं और अन्य बुनियादी ढांचे तबाही की जद में हैं। तिब्बत में हिमस्खलन होने या ग्लेशियर झीलों के फटने पर नेपाल की ओर के निचले तटीय क्षेत्रों में समय-समय पर क्षति होना आम घटना हैजानकार भी मानते हैं कि बार-बार हो रहे हादसों के पीछे नेपाल-चीन सीमावर्ती हिमालयी क्षेत्र की भौगोलिक बनावट के साथ-साथ ग्लेशियल झीलों की स्थितियों में होने वाले बदलाव ही कारण हैं। नेपाल की ओर ढलानदार क्षेत्र हैं जिनमें तमाम बस्तियां बसी हुई हैं। इसके चलते इन झीलों के फटने और हिमस्खलन की हमेशा आशंका बस्तियों में बनी रहती है। चूंकि ऊपर तिब्बती क्षेत्र में कई हिमताल हैं, जिनमें विभिन्न कारणों और पर्यावरणीय असंतुलन से पिघलन होता रहता है और इसके रौद्र रूप लेते ही ऐसी घटनाएं घटती हैं।नेपाल की बार-बार की तबाही का कारण इसका भूगोल भी है। नेपाल बेहद कम दूरी में उच्च हिमालय से लेकर अपेक्षाकृत समतल तराई के मैदानों तक ढलानों वाले क्षेत्र में फैला हुआ है, जिससे ऊपर हुई बारिश का असर नीचे पड़ता है। बस इसी का पहले से पता लगाने और सतर्क रहने से काफी त्रासदियां रोकी जा सकती हैं। अभी अर्ली वा?नग सिस्टम यानी पूर्वसूचना प्रणाली भी लगी थी, जो खुद चपेट में आ गई वरना काफी हद तक मानवीय क्षति को काबू किया जा सकता था। भविष्य में जोखिम वाले इलाकों की पहले से ही पहचान कर आपदा की प्रतीक्षा से बेहतर नदी किनारे की बस्तियों को थोड़ी सी भी आहट में हटा कर जन और धन दोनों की क्षति कम की जा सकती है।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप बिजनेस में अच्छा लाभ कमायेंगे , भौतिक सुख सुविधाओं की बढ़ोतरी होगी। इस राशि के छात्रों का दिन खुशनुमा रहेगा, किसी टेस्ट पेपर में आपको अच्छे अंक प्राप्त होंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप पार्टनरशिप में किसी काम की शुरूआत करेंगे , भविष्य में आप बढि?ा लाभ कमायेंगे। आज आप अटके हुए कार्यों को पूरा करेंगे , जिससे आप अपने अन्य कार्यों को आगे बढ़ा पायें। इस राशि के व्यक्ति आज अपने जीवनसाथी को लेकर कहीं धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। आज आपके महत्वपूर्ण कामों में बदलाव भी होंगे, पॉजिटिव रिजल्ट आने से आपको खुशी मिलेगी।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज रोजगार की तलाश खत्म होगी , आपको किसी अच्छी कंपनी से ऑफर मिलने की संभावना हैं।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप कारोबार में पैसे के लेन-देन में जल्दबाजी न दिखाएं। आज आप अपने ध्यान को केंद्रित कर काम को पूरा करने की कोशिश करें। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा , बच्चे भी आपको खुश होने की वजह देंगे।

सिंह राशि : आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे , किसी वरिष्ठ व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी। आज आप जीवनसाथी के लिए उपहार खरीदेंगे साथ ही घर की साज-सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी खरीददारी भी कर सकते हैं।

राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज के दिन की शुरूआत आप किसी अच्छी आदत के साथ करेंगे , जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहे। आज आपका मन रचनात्मक कार्यों में लगेगा , आप पेंटिंग भी कर सकते हैं। आज आपको मेहनत और व्यवहार के कारण वो सब मिलेगा , जिसके आप हकदार हैं। आज आप अपनी योजनाओं को गुप्त ही रखें अन्यथा विरोधी इसका लाभ उठा सकतें हैं।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा , जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रही रहेगी। आज आप अपने कामों में कामयाबी का परचम लहरायेंगे। आज आप खुद को मेंटली और फिजिकली फिट महसूस करेंगे। अगर आप नया वाहन खरीदने की सोच रहें है तो खरीद सकते हैं।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज आप मेहनत और लगन से किसी काम को करने में सफल रहेंगें , पेरेंट्स भी गर्व महसूस करेंगे। आज किसी करीबी से आपको खुशखबरी मिलेगी , आपके घर का माहौल भी खुशनुमा बना रहेगा। आज आप जरूरतमंदों की मदद करेंगे , आपको आशीर्वाद की प्राप्ति होगी।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको ट्रांसफर से जुड़ी सूचना प्राप्त हो सकती है , जो आपके काम को आसान बनाएगी। अगर आप किसी नए व्यापार की शुरूआत करना चाह रहें है तो आज शुरूआत कर सकते है। इस राशि के व्यक्तियों को अपने जीवनसाथी से आज बहुत सारा प्यार मिलेगा। जीवनसाथी के साथ आप कहीं धार्मिक स्थलों पर जाने का मन बना सकते हैं।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आपका काफी समय से रुका हुआ काम पूरा होने से आपको खुशी मिलेगी। साथ ही ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से अच्छी बनेगी, आप मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको कार्यस्थल पर थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी , लेकिन किसी सहकर्मी से मदद भी मिल सकती है। साथ ही किसी विदेशी कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है। जिसे ज्वॉइन करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आपका मन रचनात्मक चीजों में अधिक लगेगा , आप बच्चों को ड्राइंग बनाना भी सिखा सकते हैं।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका ध्यान नयी चीजों के प्रति आकर्षित होगा , आपके मन में कुछ बड़ा करने की प्रेरणा होगी।

सू- दोकू क्र.162

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.161का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

नजरिया | नीरज कुमार दुबे ।

457 साल बाद दुनिया का नक्शा बदलने की तैयारी

दुनिया का नक्शा बदल रहा है, वह नक्शा, जो 457 साल से इस्तेमाल किया जा रहा है। निश्चित रूप से जिस तेजी से दुनिया बदली, विज्ञान बहुत आगे बढ़ा, हर रोज नई तकनीक आ रही है, अब आसमान से धरती का कोना-कोना निहारना नामुमकिन नहीं। ऐसे में भला इतने पुराने नक्शे को लेकर क्यों न आवाज उठे? नक्शा बदलने से वैश्विक भूभाग नहीं बदलेगा लेकिन जो कुछ खामियां थीं, उन्हें सुधारा जाएगा। यह एक तरह से गलत तरीके से दिखाए गए नक्शे को सही करना और सच सामने लाने जैसा है।

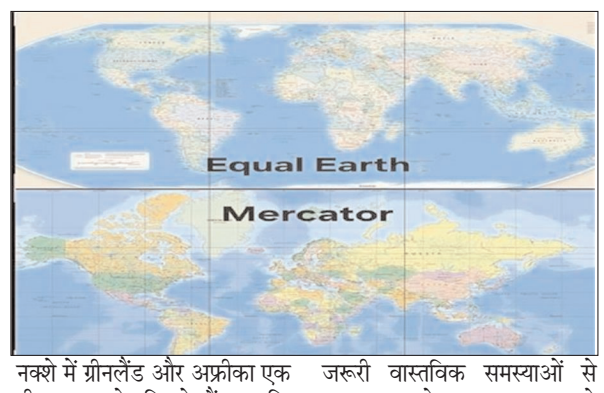

विश्व में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला नक्शा 1569 में बनाया गया मर्केटर मानचित्र है। इसे यूरोप के नक्शा बनाने वाले जेराड्स मर्केटर ने इसलिए बनाया था, ताकि यूरोपीय खोजकत्ताओं को वैश्विक यात्रा के दौरान मदद मिल सके। लेकिन तब से अब तक सिवाय नक्शे के बहुत कुछ बदल चुका है। मर्केटर मानचित्र विशेषकर जहाजरानी, समुद्री नेविगेशन (दिशा और कोण सीधे रखने) के उद्देश्य से बनाया गया था, जिसमें एक खामी थी। नक्शे में भूमध्य रेखा से दूर उत्तर और दक्षिण में मौजूद देश आकार में बहुत बड़े दिखते हैं, जबकि भूमध्य रेखा के पास स्थित देश काफी छोटे दिखते हैं। मर्केटर नक्शे में ग्रीनलैंड और अफ्रीका एक ही आकार के दिखते हैं। जबकि असलियत में अफ्रीका 3.04 करोड़ वर्ग कि.मी. का है और ग्रीनलैंड 22 लाख वर्ग कि.मी. का, यानी अफ्रीका 14 गुना बड़ा है। अफ्रीका महाद्वीप इतना बड़ा है कि इसके भीतर संयुक्त राज्य अमरीका, चीन, भारत, जापान, मैक्सिको और पूरे पश्चिमी यूरोप को समाहित किया जा सकता है।यकीनन नक्शे को और भी शुद्ध या अद्यतन किया जाना जरूरी है, जिसके लिए बाकायदा संयुक्त राष्ट्र महासभा यानी यू.एन.जी.ए. ने मतदान कराया। विभिन्न देशों ने एक ऐसे नए नक्शे को अपनाने के पक्ष में वोट किया, जो धरती के महाद्वीपों का बिल्कुल सही आकार दिखाए। इस मतदान में सिवाय अमरीका के किसी ने भी खिलाफ वोट नहीं किया, जबकि 6 देशों ने भाग नहीं लिया। अमरीका ने इसे एक वैचारिक एजैंडा और जरूरी वास्तविक समस्याओं से ध्यान भटकाने वाला कदम बताते हुए तर्क दिया कि यह प्रस्ताव इस संस्था के कार्य और उद्देश्य का उपहास करता है। इस प्रयास को भले ही मानचित्र संबंधी मापदंडों को अद्यतन करने की सामान्य कोशिश बताया जा रहा हो, लेकिन अमरीका इसे एक व्यापक और अधिक कट्टरपंथी वैचारिक परियोजना का हिस्सा मानता है। दुनिया को वर्षों से एक नक्शे के जरिए देखने का नजरिया बदलने और सटीक करने की कोशिश आखिरकार 4 सितम्बर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के मतदान में कामियाब हुई। भारत सहित 164 देशों ने नए नक्शे के पक्ष में वोट किया, अकेले अमरीका ने विरोध किया। इस नक्शे को इक्वल अर्थकार्टोग्राफिक प्रोजैक्शन के नाम से जाना जाता है। इस प्रस्ताव की अगुवाई कई अफ्रीकी देशों ने की थी। टॉगो ने अफ्रीकी संघ के समर्थन से लाए गए इस प्रस्ताव में कहा कि मर्केटर नक्शे की विकृतियों ने सदियों से ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पूर्वाग्रह पैदा किए हैं। इसे संज्ञानात्मक न्याय और ऐतिहासिक सुधार का मामला बताया। इक्वल अर्थ प्रोजैक्शनको 2018 में विकसित किया गया। इससे अन्य इक्वल एरियानक्शे महाद्वीपों के सापेक्ष आकार को बिल्कुल सटीक अनुपात में दिखाते हैं।भारत ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया लेकिन साफ किया कि अगर कोई नया नक्शा बनेगा तो उसमें भारत का पूरा भूभाग सही तरीके से हो, खासकर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख जैसे केंद्र शासित प्रदेश भारतीय आधिकारिक नक्शे के मुताबिक हों। इन्हें गलत या भ्रामक दिखाना मंजूर नहीं होगा।

मर्केटर प्रोजैक्शन अभी भी शिक्षा, मीडिया, डिजिटल और सरकारी सामग्री में काफी उपयोग किया जाता है। गोल पृथ्वी को सपाट सतह पर दिखाने की कीमत क्षेत्रफल में विकृति के रूप में चुकानी पड़ती है। यह भूमध्य रेखा से दूर उत्तर और दक्षिण के इलाकों के आकार बिगाड़ देता है। इससे अफ्रीका, लैटिन अमरीका और दक्षिण एशिया के आकार छोटे लगते हैं और दुनिया का नक्शा असंतुलित नजर आता है।

विचार

अपनी सीमा को ताकत बनाना सीखें गणेश जी से

गणेश जी ने सिद्ध किया कि समस्याओं का समाधान चमत्कार से नहीं, बल्कि कर्म और बुद्धि से होता है। उनके व्यक्तित्व से सीख है कि अनुशासन, अनुकूलन और समय प्रबंधन ही सफलता निर्धारित करते हैं।हमारी भारतीय संस्कृति में हर शुभ कार्य करने से पहले भगवान गणेश का स्मरण किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि गणेश जी का सर्वप्रथम स्मरण करने और उन्हें आमंत्रित करने से कार्य में विघ्न नहीं आते तथा सभी कार्य निर्विघ्न संपन्न होते हैं। गणेश जी आज की युवा पीढ़ी के लिए ऐसे प्रबंधन गुरु हैं, जो अपने व्यक्तित्व और गुणों से यह बताते हैं कि बुद्धि, विवेक और चातुर्य सब पर भारी पड़ता है। बेडौल व्यक्तित्व भी गुणों के आगे मिसाल बन जाता है।आजकल अधिकतर युवा संसाधनों और व्यक्तित्व की छोटी-बड़ी कमियों के कारण तनावग्रस्त हो रहे हैं और कई बार घातक कदम तक उठा लेते हैं। उनके भीतर निराशा इस कदर छा जाती है कि वे उससे बाहर निकलने का प्रयास ही नहीं करते। यदि वे निराशा के भंवर से बाहर निकलकर देखें, तो समझ पाएंगे कि देवताओं ने भी अनेक बाधाओं को पार किया था। बाधाओं को सफलतापूर्वक पार करने के कारण ही वे देव कहलाए। जीवन में कुछ भी सहजता से नहीं मिलता। जो सरलता से मिल जाता है, उसमें वह आनंद नहीं आता, जो संघर्ष के बाद प्राप्त वस्तु में मिलता है। संघर्ष के साथ-साथ व्यक्ति के भीतर विवेक और बुद्धि का होना भी अनिवार्य है। कई बार जो कार्य बल से नहीं होते, वे बुद्धि से संपन्न हो जाते हैं।गणेश जी ने अनेक अवसरों पर अपने कार्यों से सिद्ध किया कि समस्याओं का समाधान चमत्कार से नहीं, बल्कि कर्म और बुद्धि से होता है।

ट्रंप की डॉलरशिप के सामने दूसरी दुकान

ट्रंप परेशान हैं क्योंकि ब्रिक्स अब सिर्फ फोटो खिंचाने वाला क्लब नहीं रह गया। यह वित्तीय व्यवस्था बदलने, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करने और डॉलर को बाईपास करने की बात करने लगा है।ईरान समेत कई देशों के सामने सवाल है कि दुनिया में डॉलर की बादशाहत कम कैसे हो।

ट्रंप : क्या? ये लोग डॉलर के बिना व्यापार करने की सोच रहे हैं?ब्रिक्स में रूस है, चीन है, ईरान है, भारत है और कई अन्य देश हैं। सबकी आपस में अनबन है। कोई सीमा पर उलझा है, कोई व्यापार में, कोई तेल में और कोई रणनीतिक प्रभाव को लेकर। लेकिन अमेरिका से नाराज होने की ऊर्जा सबके पास बराबर बची हुई है। यह पारिवारिक एकता का सबसे किफायती मॉडल है। आपस में लड़ो मुफ़्त में, बाहर एकजुट दिखो फोटो में।दरअसल, असली खेल भुगतान प्रणाली का है। अगर देशों के बीच व्यापार डॉलर के बजाय स्थानीय मुद्राओं में होने लगे, डिजिटल भुगतान प्रणालियां आपस में जुड़ने लगें और हर अंतर्राष्ट्रीय लेन-देन में डॉलर की जरूरत थोड़ी कम हो जाए, तो डॉलर की वैश्विक मांग पर धीरे-धीरे दबाव पड़ सकता है।ट्रंप, मेरी दुकान के सामने नई दुकान क्यों खोल रहे हो?ट्रंप परेशान हैं क्योंकि ब्रिक्स अब सिर्फ फोटो खिंचाने वाला क्लब नहीं रह गया। यह वित्तीय व्यवस्था बदलने, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करने और डॉलर को बाईपास करने की बात करने लगा है।ट्रंप दुकानदार हैं, पर स्मार्ट दुकानदार नहीं हैं। वरना उन्हें पता होता कि ग्राहक से लड़कर आप उसे अपना स्थायी ग्राहक नहीं बना सकते।उधर पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम भारत के खिलाफ 55 रन पर ही ऑलआउट हो गयी। स्कोरबोर्ड देखकर लगा जैसे टॉस हारने की माफी मांग रही हो। फिर सेमीफाइनल में वह श्रीलंका से भी हार गई। पाकिस्तानी प्रशंसक सोच रहे होंगे, ह्यकोई बात नहीं, भारत से हारना तो खानदानी रवायत है। पर श्रीलंका से क्यों?पर असली अंतर्राष्ट्रीय संकट सऊदी अरब में है। हूती हमलों ने दक्षिणी सऊदी अरब में तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। कई लोग घायल हुए और तेल के कारोबार पर असर पड़ा।

तेल कराह रहा है, भाई, मुझे दोनों तरफ से क्यों घसीट रहे हो? मैं सिर्फ बहना चाहता हूं, राजनीति नहीं करना चाहता।

और ट्रंप शायद अकेले में यही सोच रहे होंगे–

ब्रिक्स डॉलर को तंग कर रहा है, हूती तेल को तंग कर रहे हैं और पाकिस्तान क्रिकेट में खुद को तंग कर रहा है।

फिर सलाहकार फाइल लेकर आता है।

ट्रंप पूछते हैं, कोई अच्छी खबर?

सलाहकार : जी सर, एक है।

शब्द सामर्थ्य -162

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

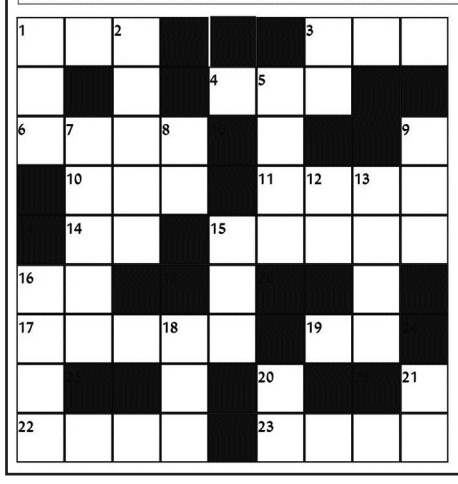

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 161का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

अंतरराष्ट्रीय मंच पर कबीरधाम का मान बढ़ाने वाली बेटी गीता यादव का जोरदार स्वागत

जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने की मुलाकात, छत्तीसगढ़ सरकार से आर्थिक सहयोग देने की मांग

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। चीन में आयोजित जूनियर महिला एशिया कप हॉकी प्रतियोगिता में भारतीय टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाली कबीरधाम जिले के बोड़ला की बेटी गीता यादव के निवास पहुंचकर जिला कांग्रेस कमेटी कबीरधाम के अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने उनसे मुलाकात की और शानदार उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों के साथ गीता यादव के माता-पिता, सर्व यादव समाज के पदाधिकारी, युवा एवं बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक उनका अभिनंदन किया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने कहा कि, "कबीरधाम जिले की बेटी गीता यादव ने अपनी मेहनत, संघर्ष और प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे कबीरधाम और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। एक साधारण किसान परिवार से निकलकर भारतीय हॉकी टीम में अपनी जगह बनाना और देश के लिए शानदार प्रदर्शन करना गीता की कड़ी मेहनत, लगन और प्रतिभा का परिणाम है।"

उन्होंने कहा कि, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ और कबीरधाम का नाम रोशन करने वाली हमारी बेटी को सरकार की ओर से अपेक्षित आर्थिक सहयोग नहीं मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार, क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को आगे आकर गीता यादव को आर्थिक सहयोग एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की पहल करनी चाहिए, ताकि वह आगे भी देश के लिए बेहतर प्रदर्शन कर सके और अपने खेल को नई ऊंचाइयों तक ले जा सके।"

चीन में आयोजित जूनियर महिला एशिया कप हॉकी प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने मेजबान चीन को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में गीता यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 5 गोल दागे और भारतीय टीम की खिताबी सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके इस प्रदर्शन ने न केवल उनके परिवार और क्षेत्र बल्कि पूरे कबीरधाम जिले को गौरवान्वित किया है।

गीता यादव की इस उपलब्धि से उनके परिवार, गांव और पूरे कबीरधाम जिले में खुशी का माहौल है।

आर्थिक रूप से साधारण किसान परिवार से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करने तक का उनका सफर क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी बन गया है।

स्वागत के दौरान गीता यादव के माता-पिता भी भावुक नजर आए और उन्होंने बेटी की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। समाज के लोगों ने कहा कि गीता यादव ने अपनी मेहनत, संघर्ष और प्रतिभा के दम पर कबीरधाम एवं छत्तीसगढ़ का नाम देश-दुनिया में रोशन किया है। उनकी सफलता निश्चित रूप से क्षेत्र के अन्य युवा खिलाड़ियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20वें रोजगार मेले में युवाओं से होंगे रूबरू

रायपुर में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू करेंगे नियुक्ति पत्र वितरण

मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 सितंबर 2026 को दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 20वें रोजगार मेले से जुड़ेंगे। इस अवसर पर वे देशभर के विभिन्न सरकारी विभागों एवं संगठनों में नव नियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे तथा चयनित अभ्यर्थियों को संबोधित करेंगे।

रायपुर में 20वें रोजगार मेले का आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार, साइंस कॉलेज परिसर, जी.ई. रोड में किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय तोखन साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे।

रायपुर में 125 अभ्यर्थी होंगे शामिल

रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से 125 अभ्यर्थी प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित रहेंगे। इनमें आयकर विभाग, डाक विभाग, रेलवे, सर्वे ऑफ इंडिया, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, गृह मंत्रालय, इंडियन ओवरसीज बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र तथा एम्स रायपुर से संबंधित नव नियुक्त अभ्यर्थी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त इन्हीं विभागों से करीब 90 अन्य अभ्यर्थी भी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू द्वारा मंच से लगभग 25 नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके बाद अन्य अभ्यर्थियों को संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे।

मुख्य आयकर आयुक्त, रायपुर संजीव, आईआरएस द्वारा केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् के गायन से होगी। इसके पश्चात स्वागत संबोधन और मुख्य अतिथि का संबोधन होगा।

दोपहर 12:30 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ेंगे। रोजगार मेले पर लघु फिल्म के प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री रिमोट बटन के माध्यम से रोजगार मेले का शुभारंभ करेंगे और नव नियुक्त युवाओं को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के ऑनलाइन कार्यक्रम के पश्चात केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे।

45 स्थानों पर आयोजित होगा रोजगार मेला

20वें रोजगार मेले का आयोजन देशभर में 45 स्थानों पर किया जा रहा है। इसके माध्यम से राजस्व विभाग, रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, रक्षा मंत्रालय सहित भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में नव नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

20वें रोजगार मेले के साथ विभिन्न सरकारी विभागों एवं संगठनों में लगभग 12.75 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके होंगे। रोजगार मेला युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने तथा उन्हें सरकारी सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का अवसर प्रदान करता है।

यह पहल युवाओं की सरकारी सेवाओं में भागीदारी बढ़ाने और उन्हें देश की विकास यात्रा से जोड़ने के लिए सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

कामठी की कक्षा से दूसरे जिलों तक पहुंची नवाचार की गूंज

पंडरिया / कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। वनांचल क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कामठी में व्याख्याता तुलस राम चंद्राकर द्वारा शिक्षा को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए किए जा रहे नवाचार अब जिले की सीमाओं से निकलकर अन्य जिलों तक पहुंच रहे हैं। उनके द्वारा प्रारंभ की गई डिजिटल केमिस्ट्री लैब तथा रसायन शास्त्र एवं हिंदी विषय में अपनाई जा रही कहानी, गीत, संवाद, खेल, प्रयोग और गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति की जिलेभर में सराहना हो रही है।

व्याख्याता तुलस राम चंद्राकर का प्रयास है कि विद्यार्थी केवल किताबों तक सीमित न रहें, बल्कि देखकर, करके, समझकर और गतिविधियों में भाग लेकर सीखें। इसी उद्देश्य से वे कक्षा 11वीं एवं 12वीं के रसायन शास्त्र तथा कक्षा 10वीं एवं 12वीं हिंदी को पारंपरिक तरीके से हटकर रोचक एवं सहभागितापूर्ण ढंग से पढ़ा रहे हैं। इससे विद्यार्थियों में विषय के प्रति रुचि और सीखने की जिज्ञासा बढ़ रही है।

इन नवाचारों की चर्चा अब अन्य जिलों में भी हो रही है। जांजगीर-चांपा, कोरबा, दंतेवाड़ा, रायपुर सहित विभिन्न जिलों के शिक्षक साथी फोन के माध्यम से तुलस राम चंद्राकर से संपर्क कर उनकी शिक्षण गतिविधियों एवं डिजिटल केमिस्ट्री लैब की कार्यप्रणाली की जानकारी ले रहे हैं। कई शिक्षक इन नवाचारों को अपने विद्यालयों में लागू करने की इच्छा भी व्यक्त कर रहे हैं।

वनांचल के एक विद्यालय से शुरू हुआ यह प्रयास अब शिक्षकों के लिए प्रेरणा और नवाचार साझा करने का माध्यम बनता जा रहा है।

सीमित संसाधनों के बीच तकनीक, रचनात्मकता और गतिविधि आधारित शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को बेहतर सीखने का अवसर देने की यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

'आशीर्वाद का दीया' : 10 हजार दीपों से जगमगाया खाड़ाबांध तालाब

रायपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में सेवा, सुशासन और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक माह तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' का भव्य शुभारंभ हुआ। सारंगढ़ के ऐतिहासिक खाड़ाबांध तालाब में आयोजित मुख्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आगाज विधिवत मंत्रोच्चार और शंखनाद के साथ किया गया, जहां 10 हजार से अधिक आटे के दीपों के प्रवाह और परिसर में प्रज्ज्वलित हजारों दीयों से पूरा तालाब जगमगा उठा। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने का यह अवसर योजनाओं के लाभार्थियों के लिए कृतज्ञता व्यक्त करने और 'विकसित भारतद्2047' के संकल्प को आगे बढ़ाने का प्रतीक है। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित होने वाला यह अभियान जिला मुख्यालय से लेकर दूर-दराज के गांवों, शासकीय कार्यालयों और धार्मिक स्थलों तक विस्तारित है। इसके तहत जिले के 49 अमृत सरोवरों, 36 मंदिरों और 25 चयनित गांवों में शत-प्रतिशत दीप प्रज्ज्वलन का लक्ष्य तय किया गया, जिसमें ग्राम टिमरलगा स्थित मां नाथलदाई मंदिर और केडार क्षेत्र में 2100-2100 दीप जलाए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों और स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने भी अपने घरों को दीयों से सजाया। आगामी एक माह में 'सेवा-मेरा योगदान', 'सेवा सेतु', 'सेवा ज्योति कलश यात्रा' और 'जल जन सेवा संकल्प' जैसे अनेक जन-उन्मुख कार्यक्रम आयोजित होंगे। अभियान के पहले ही दिन जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाकर नागरिकों ने सेवा की मिसाल पेश की। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय और पूर्व विधायक श्रीमती केराबाई मनहर, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक इस बात के साक्षी बने कि विकास और सुशासन की यह यात्रा केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज के सामूहिक संकल्प की मिसाल है।

शासकीय उचित मूल्य दुकानों में चोरी करने वाले गिरोह के फरार आरोपी को पथरिया पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। मुंगेली जिले के थाना पथरिया के अपराध क्रमांक 208/2026, धारा 305(ई), 331(4), 317(2), 3(5) बीएनएस के प्रकरण में ग्राम बेलखुरी एवं कलारजेवरा तथा थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पालचुवा स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकानों में हुई चोरी के प्रकरण में पथरिया पुलिस द्वारा पूर्व में कार्यवाही करते हुए 09 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रकरण में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी खिलेश कौशिक पिता स्व. दिनेश, उम्र 22 वर्ष, राजु श्रीवास पिता रामकुमार, उम्र 20 वर्ष .महेन्द्र निषाद पिता भागवत, उम्र 21 वर्ष, तीनों निवासी ग्राम बावली तथा बंटी उर्फ रवि पाहुजा पिता स्व. परमानंद, उम्र 50 वर्ष, निवासी जुनापारा बिलासपुर, शत्रुहन बघेल पिता इंद्रा प्रसाद उम्र 26 वर्ष साकिन चिरौटी थाना सरगांव , नैतिक नागदेव पिता विजय उम्र 25 वर्ष साकिन विनोबा नगर तारबाहर बिलासपुर , विजय कुमार उर्फ पिंटू पिता फगुआ उम्र 42 वर्ष निवासी चिरौटी,थाना सरगांव, नरेन्द्र सिंग पिता जोगेंद्र उम्र 42 वर्ष साकिन मोपका थाना सरकंडा बिलासपुर, सार्जन जोशी पिता सदाराम उम्र 44 वर्ष साकिन चिरौटी थाना सरगांव जिला मुंगेली कुल 09 आरोपियों के कब्जे एवं निशानदेही से चोरी का चावल, शक्कर, नगदी रकम एवं घटना में प्रयुक्त सामग्री बरामद कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया था।

प्रकरण में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक सुश्री नवनीत कौर छाबड़ा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत शुक्ला तथा उप पुलिस अधीक्षक श्री हरविंदर सिंह, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी मुंगेली श्री आशीष अरोरा के मार्गदर्शन में प्रकरण के फरार आरोपियों की लगातार पतासाजी की जा रही थी। विवेचना पतासाजी के दौरान थाना पथरिया पुलिस द्वारा प्रकरण के फरार आरोपी आयुष साहू पिता सूर्यप्रकाश साहू, उम्र 29 वर्ष, निवासी अशोक विहार फेस-2, बिलासपुर को दिनांक 18.09.2026 को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर आरोपी की गोडपारा खोवा मंडी के पास, बिलासपुर में उसकी अनाज की दुकान है, जहां वह चावल, गेहूं, शक्कर एवं दाल की खरीदी-बिक्री करता है, दुकान के पास ही बंटी उर्फ रवि पाहुजा की दुकान है,लगभग दो माह पूर्व बंटी उर्फ रवि पाहुजा ने उसे बताया था कि कुछ लड़के चावल बिक्री के लिए लाने वाले हैं, जिन्हें उसके गोदाम में रखवा लेना, इसके कुछ दिन बाद बंटी उर्फ रवि पाहुजा एवं दो-तीन अन्य व्यक्ति पिकअप वाहन के चालक सहित चावल एवं शक्कर लेकर उसकी दुकान पर पहुंचे थे, उनके द्वारा चावल एवं शक्कर की बोरियों को आरोपी आयुष साहू के गोदाम में रखवाया गया था। उक्त चोरी के माल को पथरिया पुलिस द्वारा पूर्व में उसके गोदाम से जप्त किया गया है। प्रकरण में उपलब्ध साक्ष्यों एवं पूछताछ के आधार पर आरोपी आयुष साहू को दिनांक 18.09.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया।प्रकरण में अन्य फरार आरोपियों की पतासाजी जारी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर बैगा बालक आश्रम में दीप प्रज्वलन एवं केक काटकर मनाया गया जन्मदिवस

पंडरिया/ कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। देश के प्रधानमंत्री एवं जनसेवा के प्रति समर्पित नेता श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर को वनांचल क्षेत्र के ग्राम नूर स्थित आदिवासी बैगा बालक आश्रम में सेवा, समर्पण और शुभकामनाओं के साथ जन्मदिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर आश्रम परिसर में दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के स्वस्थ, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम में केक काटकर उपस्थित सभी लोगों ने प्रधानमंत्री जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में आदिम जाति कल्याण विभाग जिला निगरानी समिति के सदस्य रतिराम भट्ट, आदिवासी बैगा बालक आश्रम नूर की निगरानी समिति के अध्यक्ष बहादुर लाल सोनवानी, बालकों के माता-पिता, ग्राम पंचायत नूर के जनप्रतिनिधिगण, आश्रम के समस्त बालक एवं स्टाफ सहित वनांचल क्षेत्र के सरपंच, पंच तथा विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्री रतिराम भट्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जीवन राष्ट्रसेवा, अनुशासन, परिश्रम और समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देश के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचाने और समाज के वंचित एवं आदिवासी वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया है। उनके जन्मदिन को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण की भावना को मजबूत करने के अवसर के रूप में मनाया जाना चाहिए। श्री भट्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का 25 वर्षों से अधिक का सार्वजनिक जीवन निरंतर सेवा और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण की यात्रा रहा है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से कहा की हम हमेशा अपने जीवन मे अपने राष्ट्र के प्रति ईमानदारी औऱ कर्तब्य निष्ठा का पाठ अपने दिलो दिमाग मे रखना चाहिए।

कार्यालय कलेक्टर जिला रायगढ़ एवं पदेन उप सचिव छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग अधिसूचना

दिनांक-16/09/2026

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक- 202606042100277/अ-82/2026-27 चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि नीचे अनुसूची के कॉलम (1) से (5) में दर्शित भूमि की अनुसूची के कॉलम (7) में दर्शित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने संभावना है, अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 का जायेगा, की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है, कि राज्य शासन एतद्वारा अनुसूची के कॉलम (6) में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 12 के अंतर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :-

अनुसूची

भूमि का प्रकार							धारा 12 द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम / प.ह.नं.	खसरा नं.		रकबा			
1	2	3	4		5		6	7
रायगढ़	रायगढ	लोईंग / 40	569/2	0.041	569/3	0.041	कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग संभाग रायगढ़,	सकरबोगा से महापल्ली सड़क में बड़ा रेलीग वाला पुल निर्माण हेतु
			खसरा संख्या- 02, कुल रकबा 0.082 हे.					

2. यह भी सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त भूमि में कोई भी हितबद्व व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि के क्षेत्रफल एवं उपयुक्तता, लोक प्रयोजन के औचित्य तथा सामाजिक समाघात निर्धारण के निष्कर्ष के बारे में अपना दावा/आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम 2013 की धारा 15 उपधारा (1) के अंतर्गत प्रस्तुत कर सकेगा।
3. भूमि का नक्शा/प्लान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रायगढ, के कार्यालय में देखा जा सकता है।
4. प्रस्तावित भू-अर्जन से किसी भी प्रभावित परिवार का विस्थापन निहित नहीं है।
5. प्रस्तावित भू-अर्जन के लिए अधिनियम 2013 की धारा 43 के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रायगढ़, जिला रायगढ़ को पुनर्वास और पुनर्वस्थापन प्रशासक नियुक्त किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा) एवं
भू-अर्जन अधिकारी
रायगढ़ (छ.ग.)
जी- 262703366/2

Digitally signed by
MAYANK CHATURVEDI
Date: 10-09-2026
10:04:25

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(मयंक चतुर्वेदी)
कलेक्टर रायगढ़ एवं पदेन उप सचिव
छ.ग. शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अजीत अगरकर पर लटकी है तलवार !

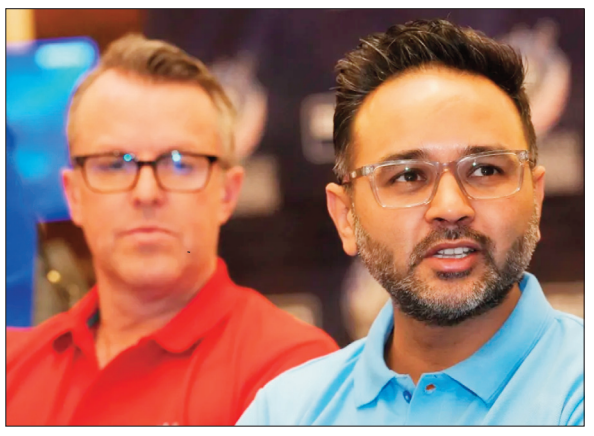

मुंबई (एजेंसी)। अजीत अगरकर पर फैसला फिलहाल नहीं हुआ है, लेकिन इतना तो तय लग रहा है कि उन पर तलवार लटकी हुई है। शुक्रवार को बीसीसीआई की एक एजीएम हुई, इसमें आखिरी फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन बोर्ड ने पदाधिकारियों को इस पूरे मामले पर निर्णय लेने का अधिकार दे दिया है। इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर पार्थिव पटेल ने सोशल मीडिया पर ऐसा पोस्ट कर दिया है, जिसने आग को और हवा दे दी है। इसके तरह तरह के मायने निकाले जा रहे हैं।

टीम इंडिया की सिलेक्शन कमेटी चीफ अजीत अगरकर अपने पद पर बने रहेंगे या फिर हट जाएंगे, इसका फैसला आने वाले कुछ और वक्त में हो जाएगा। अगरकर जुलाई 2023 में भारत के चीफ सिलेक्टर बने थे और कार्यकाल अक्टूबर 2026 तक चलना है, लेकिन पिछले दिनों रोहित शर्मा को लेकर जो कुछ भी घटनाक्रम सामने आया है, उसमें चर्चाओं के बाजार को गर्म जरूर कर दिया है। दरअसल जब भारतीय टीम वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड के दौरे पर थी, उसी दौरान आखिरी मुकाबले से पहले अचानक खबर आई कि लॉर्ड्स वनडे रोहित का आखिरी वनडे मैच होगा। कुछ रिपोर्ट्स में कहा तो यहां तक गया था कि शायद अजीत अगरकर ने रोहित शर्मा से कह दिया है कि वे आगे के प्लान में फिट नहीं बैठ रहे हैं। उसके बाद रोहित शर्मा ने धमाकेदार शतक ठोका, जिसे रोहित का अगरकर को जवाब कहा गया। हालांकि खुले तौर पर रोहित और अजीत ने अब तक इस बारे में कुछ नहीं कहा है। इसके बाद बीसीसीआई सचिव ने भी कहा कि रोहित अच्छा खेल रहे हैं। अटकलें लगाने की जरूरत नहीं है।

इस बीच अगर अजीत अगरकर को अपने कार्यकाल से पहले ही हटाया जाता है तो नया नाम भी सामने आ गया है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पार्थिव पटेल अगले चीफ सिलेक्टर हो सकते हैं। हालांकि नया चीफ सिलेक्टर के चयन में वक्त लगेगा। पहले इसके लिए बीसीसीआई की ओर से विज्ञापन जारी किया जाएगा, इसके बाद आवेदन आएंगे और फिर इंटरव्यू होंगे, इसमें काफी वक्त लगता है। इस बीच हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली वनडे और टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि ये अजीत अगरकर की आखिरी टीम है, इसके बाद वे टीम सिलेक्शन नहीं कर पाएंगे।

पार्थिव के सोशल मीडिया के पोस्ट से बढ़ी अटकलें

इस बीच चौंकाने वाली बात ये भी हुई है कि चीफ सिलेक्टर के दावेदार माने जा रहे पार्थिव पटेल ने एक पोस्ट सोशल मीडिया पर की है। इसमें उन्होंने ईशारों ही ईशारों में कुछ कहने की कोशिश की है, इसको लेकर भी अटकलें लगाई जा रही है। कहा जा रहा है कि पार्थिव ही नए चीफ सिलेक्टर होंगे, हालांकि पता नहीं, पटेल ने ये पोस्ट क्या सोचकर की है, लेकिन चर्चाएं तो चल ही रही हैं।

डेविस कप के दूसरे मैच में सुमित नागल को मिली हार कोरियाई खिलाड़ी ने 7-5 से मुकाबला किया अपने नाम

मुंबई (एजेंसी)। भारत और साउथ कोरिया के बीच में सियोल के ओलंपिक कोर्ट में डेविस कप के दूसरे राउंड के मुकाबलों की शुरुआत हो चुकी है, जिसमें 18 सितंबर को सिंगल्स इवेंट का दूसरा मैच भारत के सुमित नागल और कोरियाई खिलाड़ी ह्योन चुंग के बीच में खेला गया। इस मैच में भारतीय टीम के खिलाड़ी सुमित नागल ने शानदार शुरुआत की थी। उन्होंने इस मैच का पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया था। इसके बाद कोरिया के ह्योन चुंग ने शानदार वापसी करते हुए दूसरे और तीसरे सेट को अपने नाम किया। इस मैच को जीतने के साथ ही साउथ कोरिया अब इस राउंड में 2-0 की बढ़त हासिल कर चुका है। आपको बता दें कि भारत में डेविस कप के मैचों का सीधा प्रसारण VETO OTT पर किया जा रहा है।

भारत के खिलाड़ी सुमित नागल ने डेविस कप के दूसरे राउंड के दूसरे मैच में साउथ कोरिया के खिलाड़ी सूनवू क्वोन के खिलाफ पहले सेट में दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 8 गेम तक चले इस मैच के 6 गेम में जीत हासिल की। इस सेट के शुरुआती 4 गेम में सुमित को जीत मिली थी। इसके बाद वह लगातार दो सेट हार गए। इसके बाद सातवें और आठवें गेम में सुमित ने दमदार वापसी की और पहला सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में कोरिया के ह्योन चुंग ने की शानदार वापसी

दूसरे सेट की बात करें तो वहां कोरियाई खिलाड़ी ने शानदार शुरुआत की थी। उन्होंने पहला गेम अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में सुमित नागल ने जीत दर्ज की। यही सिलसिला अगले दो गेम में भी देखने को मिला। पांचवें गेम में कोरिया के खिलाड़ी ने बाजी मारते हुए इस सेट में 3-2 की बढ़त हासिल की थी। छठे गेम में सुमित नागल ने बाजी मारते हुए सेट को 3-3 से बराबर कर दिया। इसके बाद आखिरी के दोनों गेम जीतकर कोरियाई खिलाड़ी ह्योन चुंग ने इस सेट को अपने नाम कर लिया।

सुमित नागल और ह्योन चुंग के बीच तीसरा सेट काफी रोमांचक रहा। इस सेट की शुरुआत कोरिया के खिलाड़ी ने पहला गेम जीतकर की। इसके बाद दूसरा सेट सुमित नागल ने अपने नाम जरूर किया।

लेकिन इसके बाद वह अगले चार सेट हार गए और पांच गेम के बाद वह 4-1 से पीछे हो गए थे। इसके बाद सुमित ने दमदार वापसी की और अगले पांच गेम से चार में जीत दर्ज करके सेट को 5-5 से बराबर कर दिया।

ट्रेविस हेड ने ऑस्ट्रेलिया बनाम जिम्बाब्वे मैच में ठोक दिया सबसे तेज ताबड़तोड़ शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेविस हेड ने एक बार फिर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक ठोक दिया है। ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे के बीच खेली जा रही वनडे सीरीज के दूसरे मैच में हेड ने कमाल की बल्लेबाजी की। शतक लगाने के साथ ही हेड ने मैच का रिजल्ट भी करीब करीब तय कर दिया है। कप्तान मिचेल मार्श ने भी बेहतरीन अर्धशतक पूरा किया।

ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जा रही है। पहला मैच जीतकर ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही बढ़त बना चुकी है और अब दूसरा मैच खेला जा रहा है। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले बैटिंग के लिए उतरी। कप्तान मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने टीम को तेज शुरुआत दी। मिचेल मार्श ने 63 बॉल पर 53 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से तीन चौके और तीन छक्के आए। मार्श तो आउट होकर पवेलियन लौट गए, लेकिन हेड की पारी जारी रही।

ट्रेविस हेड ने अपना 20वां इंटरनेशनल और आठवां वनडे शतक पूरा किया। उन्होंने केवल 75 बॉल पर ही अपनी सेंचुरी पूरी कर ली। अब वे जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हो गए हैं। इससे पहले सीरीज के पहले मैच में मैट रेनशॉ ने 86 बॉल पर शतक लगाया था, लेकिन कुछ ही दिन के अंतराल में ट्रेविस हेड उनसे आगे निकल गए हैं। हेड ने अपनी पारी के दौरान 15 चौके और तीन छक्के लगाए। वैसे तो मैच के बारे में पहले से अनुमान लगाना कठिन होता है, लेकिन हेड के रिकॉर्ड को देखकर लगता है कि ऑस्ट्रेलिया इस मैच को जीत जाएगा।

हेड ने इंटरनेशनल क्रिकेट में जब भी अपनी टीम के लिए शतक लगाया है, टीम एक भी मैच हारी नहीं है। इसलिए इस मैच में भी ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी हो गया है। वैसे तो अभी ऑस्ट्रेलिया की पारी चल रही है, लेकिन टीम एक बड़े स्कोर की ओर देख रही है।

भारत ने केवल 30 बॉल में खत्म किया मुकाबला

जापान को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स महिला क्रिकेट में भारत ने सेमीफाइनल में अपनी सीट पक्की कर ली है। टीम इंडिया ने जापान को करीब करीब एकतरफा मुकाबले में आठ विकेट से पीट दिया। पहले बैटिंग करते हुए जापानी टीम 19.5 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर केवल 57 रन ही बना सकी। भारत ने इस लक्ष्य को दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारत की बैटिंग केवल 5 ही ओवर तक चली। यानी टीम इंडिया ने 30 बॉल में मैच खत्म कर दिया।

भारत के सामने जापानी टीम कहीं भी नजर नहीं आई। पूरी तरह से मैच में भारत का दबदबा रहा। जापान की टीम अपने कोटे के पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई और 19.5 ओवर में ही आउट हो गई। टीम की दो ही बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार कर पाईं। Ayaka Kato-Stafford ने 47 बॉल पर 25 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने दो चौके लगाए। वे अपनी टीम की ओर से सबसे बड़ी पारी खेलने वाली बल्लेबाज रहीं। वहीं दूसरी सलामी बल्लेबाज Haruna Iwasaki ने 22 बॉल पर 10 रन बनाए। उनके बल्ले से एक चौका आया। बाकी कोई बल्लेबाज नहीं चला।

टीम इंडिया के लिए श्रीचारणी ने एक बार फिर जबरदस्त गेंदबाजी की। चार ओवर में उन्होंने 10 रन देकर चार विकेट अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की। शैफाली वर्मा ने चार ओवर में 13 रन देकर दो सफलताएं हासिल कीं। श्रेयंका पाटिल और दीप्ति शर्मा को भी एक एक विकेट मिला। क्रांति गौड़ और नंदिनी शर्मा को कोई विकेट नहीं मिला, लेकिन उन्होंने भी अच्छी गेंदबाजी की।

भारत की बैटिंग की बात की जाए तो इसमें कुछ एक बदलाव नजर आए। शैफाली वर्मा के साथ मंधाना पारी का आगाज करने के लिए नहीं आईं। हालांकि वे प्लेइंग इलेवन में शामिल थीं। कमलिनी को ओपनिंग के लिए भेजा गया। हालांकि वे दो बॉल पर बिना खाता खोले ही वापस चली गईं। इसके बाद तीसरे नंबर पर भारतीय फूलमली को भेजा गया। उन्होंने सात बॉल पर छह रन बनाए और आउट हो गईं। इस बीच शैफाली वर्मा ने जबरदस्त बल्लेबाजी की। शैफाली ने 15 बॉल पर 40 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। उनके बल्ले से छह चौके और दो छक्के आए।

व्यापार

शेयर बाजार में बड़ा उलटफेर, क्लोजिंग ऑक्शन के बाद सेंसेक्स लाल निशान में बंद

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को आखिरी वक्त पर जबरदस्त ड्रामा और उलटफेर देखने को मिला। दिनभर की बढ़त के बाद क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (CAS) के दौरान आई अचानक मुनाफावसूली से बीएसई का सेंसेक्स लाल निशान में फिसल गया। दोपहर 3:15 बजे तक सेंसेक्स 245 अंक मजबूत स्थिति में था, लेकिन 3:30 बजे के अंतिम बंद भाव में यह 20 अंक (0.03%) टूटकर 74,295 पर बंद हुआ। हालांकि, एनएसई का निफ्टी 50 अपनी बढ़त कायम रखने में कामयाब रहा और 76 अंक (0.33%) उछलकर 23,346 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार की घबराहट को मापने वाला इंडिया विक्स (India VIX) 7.57% की भारी गिरावट के साथ बंद हुआ, जो बाजार में अंडरलाइंग मजबूती का संकेत देता है।

सेंसेक्स में सुस्ती के बावजूद निफ्टी के कई शेयरों में तगड़ी लिवाली देखने को मिली। अदाणी पोर्ट्स का शेयर आज टॉप गेनर रहा 3.72% की जोरदार तेजी के साथ ₹1,801.00 के स्तर पर बंद हुआ और आ टॉप गेनर्स में शामिल रहा। इसके अलावा,

HDFC बैंक: 2.26% की मजबूती के साथ ₹729.10 पर बंद हुआ।

भारती एयरटेल: 2.11% उछलकर

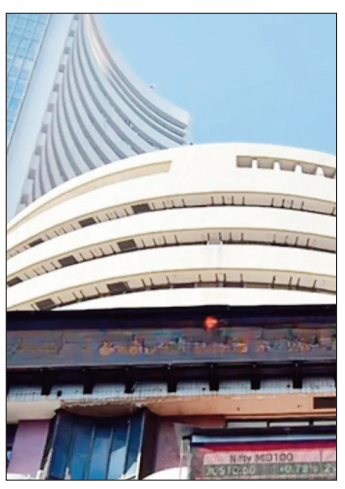

₹1,866.00 के स्तर पर रहा।

बजाज फाइनेंस और इंडिगो: क्रमशः 1.08% और 0.93% की बढ़त दर्ज की।

इसके अलावा इटर्नल (+0.82%), एलएंडटी (+0.78%), एसबीआई (+0.54%) और एक्सिस बैंक (+0.23%) भी हरे निशान में बंद हुए। वहीं दूसरी ओर टीसीएस (-4.33%), टाइटन (-2.11%), एशियन पेंट्स (-2.00%) और मारुति (-1.98%) में भारी बिकवाली का दबाव देखा गया।

स्मॉलकैप और मिडकैप का जलवा, आईटी सेक्टर्स पिछड़े

बड़े सूचकांकों के मुकाबले ब्रॉडर मार्केट में निवेशकों ने खुलकर दांव लगाया।

स्मॉलकैप इंडेक्स 1.77% की बंपर बढ़त के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, मिडकैप इंडेक्स भी 1.23% की तेजी दर्ज करने में सफल रहा।

बाजार की चौड़ाई पूरी तरह खरीदारों के पक्ष में रही, जहां 2,531 शेयर बढ़त के साथ और 1,452 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेक्टोरल प्रदर्शन में मेटल्स, मीडिया, रियल्टी, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी सेक्टर्स में 1% से अधिक की तेजी दर्ज की गई। हालांकि, आईटी सेक्टर पर दबाव बना रहा और निफ्टी IT सूचकांक 1.03% टूटकर बंद हुआ।

टाटा ग्रुप में बड़ा घमासान! चंद्रशेखरन की कुर्सी पर Tata Trusts ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ग्रुप में चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के कार्यकाल को लेकर विवाद अब शेयर बाजार तक पहुंच गया है। टाटा ट्रस्ट्स की आपत्ति सामने आने के बाद शुक्रवार को कई टाटा कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट देखने को मिली। टाटा केमिकल्स सबसे ज्यादा प्रभावित रहा, जबकि TCS समेत कई अन्य शेयर भी दबाव में रहे।

बता दें कि टाटा संस के बोर्ड ने एन चंद्रशेखरन को अगले पांच साल के लिए फिर से चेयरमैन बनाने का फैसला किया है। हालांकि, इस फैसले को टाटा ट्रस्ट्स ने चुनौती दी है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया। ट्रस्ट ने बाद में कहा कि उसके अनुसार चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति कानूनी रूप से मान्य नहीं है। बोर्ड की बैठक में चार निदेशकों ने चंद्रशेखरन के पक्ष में वोट किया, जबकि नोएल टाटा ने विरोध में मतदान किया। टाटा ट्रस्ट्स के मुताबिक, एसोसिएशन के लेख में मौजूद प्रावधानों के कारण यह प्रस्ताव कानूनी रूप से प्रभावी नहीं है। टाटा ट्रस्ट्स की आपत्ति के बाद शुक्रवार को कई टाटा ग्रुप कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई। टाटा केमिकल्स का शेयर करीब 8% गिरकर 719 रुपये के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन में करीब 5% की गिरावट रही और शेयर 683 रुपये तक आ गया। देश की सबसे बड़ी IT सर्विस कंपनी TCS का शेयर भी करीब 3.5% गिरकर 2,118 रुपये तक पहुंच गया।

दुनिया में संकट के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया भर में जारी तनाव और मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी मजबूती का लोहा मनवा रही है। रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने भारत की आर्थिक स्थिरता को देखते हुए वित्त वर्ष 2026-27 (FY27) के लिए भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। मूडीज का मानना है कि वैश्विक झटकों और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद भारत की विकास दर जी-20 (G20) देशों और समकक्ष अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज रहेगी।

2026 की पहली छमाही में 8.2% की तूफानी रफ्तार

एजेंसी ने भारत की सॉवरेन रेटिंग के आवधिक समीक्षा के दौरान यह वृद्धि की है। आंकड़ों के मुताबिक, कैलेंडर वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 8.2 फीसदी दर्ज की गई, जो 2025 में 7.3 फीसदी थी। इस तेज रफ्तार के पीछे कई अहम वजहें रही हैं। निजी खपत में मजबूत बढ़ोतरी ने अर्थव्यवस्था को सहारा दिया। इसके साथ ही फिक्स्ड इन्वेस्टमेंट में मजबूती और सरकार की ओर से इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार खर्च का भी फायदा मिला। इसके अलावा सर्विसेज सेक्टर का मजबूत प्रदर्शन जारी रहा है। प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में संभावित सुधार को भी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा माना जा रहा है।

कच्चे तेल और महंगाई का बना हुआ है खतरा

मूडीज ने भविष्य की आर्थिक सेहत को लेकर कुछ सावधानियां भी जताई हैं। एजेंसी का कहना है कि मिडिल ईस्ट में अनसुलझे संघर्ष और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के चलते वित्त वर्ष 2027 में औसत महंगाई दर 4.8 फीसदी तक पहुंच सकती है, जो वित्त वर्ष 2026 में 2.4 फीसदी थी। इसके अलावा, अल-नीनो के कारण खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ने, एनर्जी व फर्टिलाइजर आयात का खर्च बढ़ने और विदेशों से आने वाले रेमिटेंस में कमी से चालू खाता घाटा (CAD) बढ़ सकता है, जिससे विकास की रफ्तार कुछ हद तक प्रभावित हो सकती है।

फिस्कल डेफिसिट घटाने की दिशा में जारी हैं प्रयास

राजकोषीय नीति पर मूडीज ने कहा कि भारत सरकार ने वैश्विक झटकों के बावजूद राजकोषीय अनुशासन बनाए रखा है।

सरकार की झोली में आए 12.12 लाख करोड़, 17 सितंबर तक डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में 13% की जोरदार बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अर्थव्यवस्था और सरकारी खजाने के लिए आयकर विभाग से एक बेहद शानदार और राहत देने वाली खबर आई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 17 सितंबर तक देश का नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 12.96 फीसदी (लगभग 13%) की बढ़ोतरी के साथ ₹12.12 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। यह आंकड़े देश की मजबूत होती आर्थिक स्थिति और कॉर्पोरेट व व्यक्तिगत स्तर पर बढ़ती आय को दर्शाते हैं।

आयकर विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, रिफंड जारी करने से पहले देश का ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 15.19% बढ़कर ₹14.32 लाख करोड़ हो गया है, जो पिछले साल की समान अवधि में ₹12.44 लाख करोड़ था। सरकार ने इस दौरान रिफंड की प्रक्रिया को भी काफी तेज किया है। 17 सितंबर तक ₹2.20 लाख करोड़ का रिफंड जारी किया जा चुका है, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 29.19 फीसदी अधिक है।

कॉर्पोरेट और पर्सनल टैक्स का पूरा गणित

टैक्स संग्रह के आंकड़ों को अलग-अलग श्रेणियों में देखें तो भी अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

नेट कॉर्पोरेट टैक्स संग्रह पिछले साल के ₹4.65 लाख करोड़ से बढ़कर ₹5.56 लाख करोड़ हो गया है। वहीं, नेट नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स में व्यक्तिगत करदाता, HUF और अन्य फर्म शामिल हैं।

इसका संग्रह ₹5.81 लाख करोड़ से बढ़कर ₹6.16 लाख करोड़ पहुंच गया है। ग्रॉस आधार पर देखें तो कॉर्पोरेट टैक्स संग्रह ₹6.95 लाख करोड़ और नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स संग्रह ₹6.98 लाख करोड़ रहा है।

शेयर बाजार की रिकॉर्ड ट्रेडिंग से STT में भारी उछाल

शेयर बाजार में घरेलू निवेशकों की लगातार बढ़ती भागीदारी का असर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (STT) कलेक्शन पर भी दिखाई दे रहा है। नेट STT संग्रह पिछले साल की समान अवधि के ₹26,305.72 करोड़ से बढ़कर ₹40,214.36 करोड़ हो गया है।

यानी इसमें अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के ये आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता के बावजूद भारत में आर्थिक गतिविधियां और टैक्स अनुपालन मजबूत बना हुआ है।

इंडिगो की फ्लाइट्स अब महंगी हो गई हैं

मुंबई (एजेंसी)। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइनों में से एक IndiGo ने चुपचाप कई अतिरिक्त सेवाओं के शुल्क (ancillary charges) में बदलाव किए हैं। एयरलाइन ने कई वैकल्पिक सेवाओं के शुल्क में बदलाव किए हैं, जिनमें छोटे बच्चों (infants) के साथ यात्रा, तय सीमा से ज़्यादा सामान (excess baggage), प्राथमिकता वाली सेवाएं (priority services) और यात्रा प्रमाण-पत्र (travel certificates) शामिल हैं। ये बदलाव खास तौर पर उन परिवारों और यात्रियों के लिए मायने रखते हैं जो अक्सर बुकिंग के बाद अतिरिक्त सेवाएं लेते हैं।

इंडिगो ने ये बदलाव पहले ही लागू कर दिए हैं और इनमें माता-पिता की गोद में यात्रा करने वाले बच्चों से लेकर ज़्यादा सामान और प्रायोरिटी सर्विस तक सब कुछ शामिल है। इंडिगो ने फीस में इस बदलाव के लिए सार्वजनिक रूप से किसी एक खास वजह का ज़िक्र नहीं किया है।

सेवा-संकल्प की रोशनी से जगमगाया मुंगेली 'आशीर्वाद का दीया' से अभियान का शुभारंभ

जनकल्याण को समर्पित है प्रधानमंत्री मोदी का 25 वर्षों का कार्यकाल अविस्मरणीय : तोखन साहू

मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर जिले में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत जिला मुख्यालय स्थित पुराना बस स्टैंड के कमेटी हॉल में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू शामिल हुए। मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर अमृत विकास तोपनो, अपर कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पांडेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय, जनपद पंचायत अध्यक्ष रामकमल सिंह परिहार, जिला अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी, पूर्व सांसद लखनलाल साहू, नगर पालिका उपाध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा सहित शीलू साहू, शैलेश पाठक, गिरीश शुक्ला, एल्डरमैन एवं पार्षदगण उपस्थित रहे।

गरीब, वंचित और मातृशक्ति के कल्याण को प्राथमिकता

मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान के रूप में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'आशीर्वाद का दीया' के माध्यम से जनभागीदारी का भाव व्यक्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकास की अवधारणा को गरीब और वंचित वर्ग के कल्याण से जोड़ने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को पक्के आवास, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को आर्थिक सहायता, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के माध्यम से खाद्यान्न की व्यवस्था, घर-घर शौचालय के माध्यम से माताओं-बहनों के सम्मान और स्वच्छता को बढ़ावा देने तथा सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किए गए हैं।

मंत्री श्री साहू ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते हुए नरेंद्र मोदी ने सरकार को गरीबों, वंचितों और माताओं-बहनों के कल्याण के लिए समर्पित करने की बात कही थी और उसी दिशा में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

सेवा और संकल्प की भावना को आगे बढ़ाया

मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने और जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान एवं 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के माध्यम से देशभर में सेवा और जनभागीदारी की भावना को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को आर्थिक सहायता दी जा रही है तथा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को उपचार की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विचारों और सेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करना इस अभियान का उद्देश्य है।

जिले में 05 लाख से अधिक दीये किए गए प्रज्ज्वलित

कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने अभियान के संबंध में पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के सभी विकासखंडों के साथ ग्राम एवं वार्ड स्तर पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत 'आशीर्वाद का दीया', 'सपनों का भारत' विषय पर ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता, नमो सेवा सप्ताह, 'आंगन का उत्सव' के अंतर्गत आंगनबाड़ी सम्मान एवं मातृत्व सम्मान, विकसित भारत से संबंधित गतिविधियां, सेवा ज्योति यात्रा, 'जल जन-जन', 'सेवा मेरा योगदान' सहित विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता, रंगोली प्रतियोगिता एवं जन सेवक महाकुंभ जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय समारोह में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा जिले के विभिन्न शासकीय एवं निजी भवनों सहित सार्वजनिक स्थलों पर 5 लाख से अधिक दीये प्रज्ज्वलित किए जा रहे हैं। जिला अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी ने सेवा संकल्प अभियान एवं 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के लिए जिलेवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से सेवा, समर्पण और जनभागीदारी की भावना को मजबूत किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन श्री अशोक सोनी ने किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सेवा, परिश्रम और राष्ट्र निर्माण को समर्पित रही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की यात्रा : धरमलाल कौशिक

सेवा, समर्पण और संकल्प की रोशनी से जगमगाया राजनांदगांव

राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। राजनांदगांव जिले में 17 सितम्बर की शाम सेवा, समर्पण और संकल्प की रोशनी से जगमगा उठी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत 1 लाख से अधिक आशीर्वाद का दीया प्रज्वलित किया गया। इस अवसर पर जिले के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए सेवा, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प को दीपों की रोशनी के माध्यम से अभिव्यक्त किया। राजनांदगांव शहर के ऐतिहासिक रानी सागर, बूढ़ा सागर एवं शीतला मंदिर परिसर में जिला स्तरीय आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिल्हा विधायक धरम लाल कौशिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एक लाख से अधिक दीयों से सजी आकर्षक रंगोली और दीपों की कतारों ने पूरे परिसर को मनोहारी स्वरूप प्रदान किया। दीपों की जगमगाहट से रानी सागर, बूढ़ा सागर एवं शीतला मंदिर परिसर का वातावरण श्रद्धा, उल्लास और उत्साह से भर उठा।

विधायक धरम लाल कौशिक ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के शिल्पी और निर्माण के प्रतीक हैं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 25 वर्षों में देश के विकास और निर्माण को नई दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन की संवैधानिक जिम्मेदारी संभाली और 26 मई 2014 को भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में उनकी 25 वर्षों की सेवा यात्रा निरंतर जनसेवा, परिश्रम और राष्ट्र निर्माण को समर्पित रही है। उन्होंने कहा कि आशीर्वाद का दीया अंधकार को दूर कर प्रकाश और ऊर्जा का संदेश देता है। इसी भाव के साथ यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा को समर्पित है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, स्वच्छता, वित्तीय समावेशन, डिजिटल तकनीक, बुनियादी अधोसंरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनेक कार्य हुए हैं।

विधायक कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक भूमिका निरंतर मजबूत हुई है और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की सक्रिय भागीदारी बढ़ी है। कोविड-19 के दौरान भारत द्वारा अनेक देशों को दवाइयों एवं चिकित्सा उपकरणों की सहायता उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि भारत आज वैश्विक स्तर पर शांति, सहयोग और विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं और भारत को आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सभी को अपने स्तर पर योगदान देना होगा। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजनांदगांव में बड़ी संख्या में दीप प्रज्वलित कर सेवा और संकल्प का संदेश दिया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दीर्घायु, यशस्वी एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उपस्थित नागरिकों को शुभकामनाएं दी।

स्क्रब कबाड़ प्रकरण में फरार शातिर आरोपी पवन राजपूत मथुरा से गिरफ्तार

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित कुमार पटेल के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी प्रशांत देवांगन के दिशा-निर्देशन में थाना चिल्फी पुलिस द्वारा वर्ष 2022 से फरार चल रहे शातिर आरोपी पवन राजपूत को उत्तर प्रदेश के मथुरा से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

मामले का कूछ इस प्रकार है 30 अगस्त 2022 को ट्रक क्रमांक RJ-05-GB/5730 में रोहतक, हरियाणा से स्क्रब लोहे का कबाड़ सामग्री लोड कर चालक धर्मेंद्र कुमार कलिंगा नगर, उड़ीसा के लिए रवाना हुआ था। घटना के करीब तीन दिन बाद ट्रक चिल्फी घाटी की खाई में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। मौके पर ट्रक क्षतिग्रस्त अवस्था में मिला, लेकिन ट्रक में लोड 33.290 मीट्रिक टन स्क्रब सामग्री में से पूरी मात्रा मौके पर नहीं मिली।

घटना के संबंध में डालसन कंपनी के मालिक द्वारा थाना चिल्फी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिस पर अपराध क्रमांक 32/2022, धारा 406, 407, 120(बी), 34 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान पुलिस के समक्ष यह तथ्य सामने आया कि ट्रक में रोहतक, हरियाणा से डारसन कंपनी द्वारा भेजी गई स्क्रब सामग्री को आरोपीगण हिमांशु राजपूत, रमाकांत उर्फ मोनू पांडे, धर्मेंद्र कुमार, भगवान सिंह एवं पवन राजपूत द्वारा आपस में षड्यंत्र कर ट्रक को चिल्फी घाटी की खाई में गिराकर पलटने तथा उसमें भरी स्क्रब सामग्री को बेचने की योजना के तहत हेराफेरी किए जाने का आरोप है।

प्रकरण की विवेचना के दौरान वर्ष 2022 में आरोपी हिमांशु राजपूत एवं धर्मेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था। वहीं अन्य आरोपी फरार चल रहे थे, जिनकी लगातार पतासाजी की जा रही थी।

मथुरा में शातिर आरोपी के ठिकाने पर पहुंची पुलिस टीम, पवन राजपूत गिरफ्तार

फरार आरोपियों की पतासाजी हेतु थाना चिल्फी पुलिस की टीम उत्तर प्रदेश रवाना की गई। पतासाजी के दौरान आरोपी पवन राजपूत पिता स्व. किशन राजपूत, उम्र 33 वर्ष, निवासी जनकपुरी, महोली रोड, थाना कोतवाली मथुरा, जिला मथुरा, उत्तर प्रदेश के निवास स्थान पर पहुंचकर तलाश की गई। आरोपी के मिलने पर पुलिस द्वारा पूछताछ कर उसे गिरफ्तार किया गया।

दिव्यांगता बाधा नहीं, स्वरोजगार से देवेंद्र ने संवारी जिंदगी

दुर्ग। दिव्यांगता के बावजूद आत्मनिर्भर बनने की इच्छा-शक्ति और शासन की स्वरोजगार योजनाओं ने देवेंद्र कुमार यादव के जीवन को नई दिशा दी है। कैलाशबाड़ी दुर्ग निवासी देवेंद्र कुमार यादव ने दिव्यांगजन स्वरोजगार ऋण योजना का लाभ लेकर किराना दुकान शुरू की और अब अपने परिवार का बेहतर ढंग से भरण-पोषण कर रहे हैं। देवेंद्र कुमार यादव ने कक्षा 12वीं तक शिक्षा प्राप्त की है। वे 60 प्रतिशत अस्थि बाधित दिव्यांगता से प्रभावित हैं। दिव्यांगता के कारण जीवन में कई चुनौतियां आईं, लेकिन उन्होंने कभी इसे अपनी राह की बाधा नहीं बनने दिया। स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की उनकी इच्छा को शासन की योजना से नई राह मिली।

जिला कार्यालय समाज कल्याण एवं समाज कल्याण विभाग के माध्यम से उन्हें छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम की दिव्यांगजन स्वरोजगार ऋण योजना की जानकारी मिली। योजना के तहत उन्हें 1.80 लाख रूपए का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्होंने किराना दुकान व्यवसाय शुरू किया।

किराना दुकान शुरू होने के बाद उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ। व्यवसाय से होने वाली आय से वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं तथा ऋण की मासिक किस्तों का भी नियमित रूप से भुगतान कर रहे हैं। समय पर ऋण की अदायगी कर वे आत्मनिर्भरता की ओर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। देवेंद्र कुमार यादव कहते है कि दिव्यांगता जीवन में चुनौती जरूर है, लेकिन हौसले और सही अवसर के साथ आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने अन्य दिव्यांगजनों से भी अपील की कि वे दिव्यांगता से हतोत्साहित न हों और शासन की स्वरोजगार योजनाओं का लाभ लेकर अपने भविष्य को संवारें। शासन की योजना से मिला आर्थिक संबल देवेंद्र के लिए केवल ऋण नहीं, बल्कि अपने पैरों पर खड़े होने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर साबित हुआ है।

वर्धमान जैन मंदिर पंडरिया में धूमधाम से मनाया गया पर्युषण पर्व

भगवान महावीर जन्म वाचन महोत्सव, संवत्सरी प्रतिक्रमण, तपस्या एवं धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

पंडरिया (दैनंदिनी ब्यूरो)। वर्धमान जैन मंदिर पंडरिया में जैन समाज का पावन पर्युषण पर्व श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। आठ दिनों तक चले इस पर्व के दौरान कल्पसूत्र वाचन, स्वाध्याय, पूजा-अर्चना, प्रतिक्रमण, तपस्या, भक्ति एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान सकल श्री संघ के श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

पर्युषण पर्व के दौरान महाकौशल मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के सहयोग से देशभर के विभिन्न जिन मंदिरों में कल्पसूत्र वाचन एवं धार्मिक आराधना के लिए रायपुर से श्रीमती आशा देवी बैद एवं अहिवारा से सुश्री पलक श्रीश्रीमाल पंडरिया पधारीं। उनके सानिध्य में सकल श्री संघ द्वारा कल्पसूत्र वाचन का श्रवण, पूजा-धर्म आराधना, स्वाध्याय एवं प्रतिक्रमण का लाभ लिया गया।

आठ दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पोथा जी को घर ले जाकर भक्ति कराने का लाभ श्री हुकुमचंद जी, योगेश कुमार एवं रूपेश कुमार लोढ़ा परिवार ने लिया। उनके निवास पर सकल श्री संघ के सदस्यों द्वारा सामूहिक भक्ति एवं आराधना की गई।

भगवान महावीर जन्म वाचन महोत्सव मनाया

पर्युषण पर्व के पांचवें दिवस तीन लोक के स्वामी एवं अहिंसा के अवतार भगवान महावीर स्वामी के जन्म वाचन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर माता त्रिशला की भूमिका श्रीमती राजकुमारी लोढ़ा एवं सिद्धार्थ राजा की भूमिका श्री विजय जी लोढ़ा ने निभाई। जन्म वाचन के पश्चात प्रभु परमात्मा के पालने को घर ले जाकर भक्ति कराने का लाभ श्री शांतिलाल जी, शिखरचंद जी एवं शीतल कुमार जी लोढ़ा परिवार ने लिया।

करोड़पति बनने का दिव्य स्वपन दिखाने वाला झांसेबाज तेलंगाना से गिरफ्तार

पुराने सिक्के एवं नोट के बदले करोड़ों रुपये दिलाने का झांसा देता था

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिला कबीरधाम में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं साइबर ठगी के मामलों में संलिप्त आरोपियों की पतासाजी हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में साइबर पुलिस थाना कबीरधाम द्वारा लगातार तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में पुराने सिक्के एवं नोट के बदले लाखों-करोड़ों रुपये दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगी करने वाले दो मुख्य आरोपियों को तेलंगाना राज्य से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है।

मामले में प्रार्थी द्वारा माह अगस्त 2026 में इंस्टाग्राम रील्स देखते समय 05 रुपये के वैष्णो देवी छाप सिक्के के बदले 85 लाख रुपये तथा 05 रुपये के ट्रैक्टर छाप नोट के बदले 01 करोड़ रुपये दिए जाने संबंधी विज्ञापन देखा गया। विज्ञापन में दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर संबंधित व्यक्ति द्वारा स्वयं को मुंबई से बोलना बताया गया तथा पुराने सिक्के एवं नोट की फोटो व्हाट्सएप के माध्यम से मंगाई गई। इसके बाद आरोपियों द्वारा पुराने सिक्के एवं नोट खरीदने के नाम पर भुगतान प्राप्त होने का झांसा देकर प्रार्थी से आधार कार्ड, फोटो एवं विभिन्न शुल्क के नाम पर राशि जमा कराई गई। आरोपियों द्वारा सरकारी शुल्क, जीपीएस रिचार्ज, इंजन वेरीफिकेशन, कस्टम ड्यूटी, रसीद, बीमा एवं अन्य बहानों से अलग-अलग मोबाइल नंबरों, यूपीआई, क्यूआर कोड एवं बैंक खातों के माध्यम से लगातार राशि की मांग की गई। प्रार्थी द्वारा अलग-अलग किश्तों में कुल 1,68,269/- रूपये की राशि ऑनलाइन ट्रांसफर किए जाने के बाद भी आरोपियों द्वारा और राशि की मांग की जाती रही। इस संबंध में साइबर पुलिस थाना कबीरधाम में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मामले की विवेचना के दौरान पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण अधिकारी साइबर थाना उप पुलिस अधीक्षक अखिलेश कुमार कौशिक, उप पुलिस अधीक्षक प्रशांत देवांगन के दिशा-निर्देशन में साइबर पुलिस टीम द्वारा तकनीकी एवं प्रभावी कार्यवाही कर बैंकिंग डिटेल एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पतासाजी करने के लिए टीम जिला निजामाबाद, तेलंगाना राज्य रवाना हुई। जांच के दौरान आरोपी नजीम खान पिता ईशा खान एवं उसके साथी मोहम्मद रोहिल, निवासी जिला भरतपुर, राजस्थान, वर्तमान निवास आरमूर, जिला निजामाबाद तेलंगाना, को फतेहपुर क्षेत्र से हिरासत में लिया गया। आरोपियों से घटना के संबंध में पूछताछ में पुराने नोट एवं सिक्के खरीदने वाले "राज ज्ञानी" के नाम से इंस्टाग्राम पर फर्जी प्रोफाइल तैयार कर लोगों को पुराने सिक्के एवं नोट के बदले भारी रकम मिलने का झांसा देने तथा अलग-अलग क्यूआर कोड, बैंक खातों के माध्यम से रकम प्राप्त करने कर ठगी की घटना को अंजाम दिया जाना स्वीकार किये जाने से तथा घटना मे प्रयुक्त तकनीकी साक्ष्य बरामद होने से आरोपी नजीम खान एवं मोहम्मद रोहिल को विधिसंगत् गिरफ्तारी कार्यवाही कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

प्रकरण में आरोपियों की पतासाजी एवं गिरफ्तारी में निरीक्षक उमाशंकर राठौर के नेतृत्व में सउनि चंद्रकांत तिवारी, प्रधान आरक्षक चुम्मन साहू, अभिनव तिवारी, आरक्षक आकाश राजपूत, मो. इरफान एवं अन्य स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

कार्यालय कलेक्टर, जिला-कोण्डागांव (आदिवासी विकास शाखा)

क्र. 2457 / आ.वि./ निर्माण / 2026-27 — कोण्डागांव, दिनांक 17/09/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम सूचना)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से निम्नलिखित कार्यों के लिए कार्यालय कलेक्टर, (सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास शाखा) जिला कोण्डागांव के कार्यालय में नीचे दर्शाए गए विवरण के अनुसार एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ शासन रायपुर द्वारा भवन दर अनुसूची जो 01.01.2015 से प्रभावशील एवं अद्यतन संशोधन सहित एस.ओ.आर. पद्धति के तहत ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है :-

ई-टेंडरिंग हेतु निर्धारित तिथि निम्नानुसार होगी :-

1-	ई निविदा प्रारंभ तिथि-	11.09.2026
2-	ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	01.10.2026 अपरान्ह 5.00 बजे तक
3-	निविदा दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि (स्पीड पोस्ट से)	08.10.2026 अपरान्ह 3.00 बजे तक
4-	निविदा खोलने की तिथि-	12.10.2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे से
5-	निविदा प्रपत्र का मूल्य (चालान हेतु)	रूपये - 1500/-
6-	कार्य पूर्णता की अवधि (प्रति कार्य)	- 05 माह
7-	ठेकेदार की श्रेणी-	"द" वर्ग या अधिक

क्र.	कार्य का नाम/स्थान का नाम	यूनिट लागत	यूनिट संख्या (लाख में)	निविदा लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये में)
1	2	3	3	4	5
1	कन्या आश्रम शाला गम्हरी एवं कन्या आश्रम शाला होनावण्डी में शौचालय भवन निर्माण कार्य।	19.41	02	38.82	29,200/-
2	प्री मै बालक छात्रावास जैतपुरी एवं प्री मै.बालक छात्रावास बोरगांव वि.ख. फरसगांव में शौचालय भवन निर्माण कार्य।	19.41	02	38.82	29,200/-
3	कन्या आश्रम शाला माकड़ी एवं प्री.मै.बालक छात्रावास शामपुर, वि.ख माकड़ी में शौचालय भवन निर्माण कार्य।	19.41	02	38.82	29,200/-

टीप:- 01. आदिवासी विकास विभाग कोण्डागांव अंतर्गत पूर्व में लिये गये कार्य निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद 03 माह से अधिक समय तक कार्य लंबित होने की स्थिति में संबंधित ठेकेदार / फर्म निविदा हेतु पात्र नहीं होंगे।
02. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबसाईट -**https://eproc.cgstate.gov.in** में देखी जा सकती है।

जी- 262703372/2

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास, कोण्डागांव

भविष्य के उद्योगों का नया केंद्र बनने की ओर अग्रसर छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री

» नए दौर की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार हो रहा छत्तीसगढ़, भविष्य के उद्योगों पर हमारा फोकस

» सेमीकंडक्टर से ग्रीन एनर्जी तक, भविष्य के उद्योगों का नया गंतव्य बन रहा छत्तीसगढ़

» छत्तीसगढ़ निवेश और उद्योगों की नई संभावनाओं का केंद्र

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर-2026' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न राज्यों से आए उद्यमियों, निवेशकों और औद्योगिक प्रतिनिधियों का छत्तीसगढ़ की धरती पर स्वागत करते हुए उन्हें प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बनने और यहां उपलब्ध निवेश की व्यापक संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज अपनी पारंपरिक औद्योगिक ताकत के साथ नई अर्थव्यवस्था और उभरते उद्योगों की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। खनिज, ऊर्जा, वन संपदा, पर्याप्त मानव संसाधन और देश के मध्य में अनुकूल भौगोलिक स्थिति हमारी स्वाभाविक ताकत है। राज्य सरकार इन खूबियों को आधुनिक तकनीक, बेहतर अधोसंरचना और निवेशक हितैषी नीतियों से जोड़कर छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं निवेश गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की भूमिका केवल उद्योगों के लिए नियामक की नहीं है। हम सरकार को उद्योग और निवेश की राह आसान करने वाले सहयोगी और 'एक्सीलरेटर' के रूप में विकसित कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि निवेश का प्रस्ताव आने से लेकर उद्योग के धरातल पर स्थापित होने तक हर चरण में निवेशकों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध व्यवस्था मिले। मुख्यमंत्री ने लघु उद्योग भारती द्वारा राष्ट्रीय स्तर के इस महत्वपूर्ण औद्योगिक आयोजन के लिए रायपुर का चयन किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। बड़े उद्योगों के साथ एमएसएमई का विस्तार होने से स्थानीय स्तर पर उद्यमिता बढ़ती है, रोजगार के अवसर पैदा होते हैं और आर्थिक गतिविधियों का लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लघु उद्योग भारती देशभर के 750 से अधिक जिलों में उद्यमियों को संगठित कर उद्योग और उद्यमिता को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ के 25 जिलों में भी 1200 से अधिक लघु एवं मध्यम उद्योग संगठन से जुड़े हैं। 18 से 20 सितम्बर तक आयोजित इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर में देशभर के 300 से अधिक एमएसएमई उद्यमियों की भागीदारी इस आयोजन के महत्व को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि यह औद्योगिक मेला केवल उत्पादों और तकनीकों की प्रदर्शनी नहीं है। यह उद्यमियों के बीच संवाद, अनुभव, नवाचार और तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच है। इसके माध्यम से नए व्यावसायिक संबंध बनेंगे, नई संभावनाओं पर चर्चा होगी और युवाओं को उद्योग तथा उद्यमिता की दुनिया को करीब से समझने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने उद्योग जगत, निवेशकों और विभिन्न हितधारकों से व्यापक विचार-विमर्श के बाद औद्योगिक विकास नीति 2024-30 लागू की है। इस नीति का उद्देश्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि ऐसा औद्योगिक इकोसिस्टम तैयार करना है, जिसमें निवेश, उत्पादन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था एक साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक नीति में प्रक्रियाओं के सरलीकरण, निवेशकों को प्रोत्साहन, नए एवं उभरते सेक्टरों को बढ़ावा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सृजन को विशेष प्राथमिकता दी गई है। नीति लागू होने के बाद प्रदेश को बड़े पैमाने पर निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और प्रसन्नता की बात है कि अनेक परियोजनाओं पर धरातल पर काम भी प्रारंभ हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब केवल कोयला, स्टील और सीमेंट जैसे पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं है। राज्य सरकार प्रदेश के औद्योगिक आधार को विविधता देने के लिए आईटी, सेमीकंडक्टर, फार्मा, टेक्सटाइल, ग्रीन एनर्जी सहित विभिन्न नए और भविष्य की अर्थव्यवस्था से जुड़े क्षेत्रों को प्रोत्साहित कर रही है। प्रदेश में लगभग 1100 करोड़ रुपए की सेमीकंडक्टर परियोजना पर कार्य प्रारंभ होना इस बदलते औद्योगिक परिदृश्य का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर को आधुनिक टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। यहां आधुनिक अधोसंरचना के साथ नए उद्योगों और तकनीक आधारित कंपनियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। राज्य में टेक्नोलॉजी हब और इंडस्ट्री एक्सीलेंस हब विकसित करने की दिशा में भी सरकार आगे बढ़ रही है।

निवेश प्रस्ताव अब धरातल पर ले रहे आकार : उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन

उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में लागू नई औद्योगिक नीति में निवेशकों को आकर्षित करने और उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं। सरकार के प्रयासों से प्रदेश में निवेश प्रस्ताव आने के साथ उनका क्रियान्वयन भी धरातल पर दिखाई देने लगा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में छोटे और बड़े नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं, जिनसे रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। लघु उद्योगों को प्रोत्साहन, उद्यमियों की समस्याओं के समाधान और नए निवेश को आकर्षित करने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। अलग-अलग सेक्टरों में संवाद और कार्यशालाओं के माध्यम से उद्यमियों को राज्य की नीतियों तथा उपलब्ध अवसरों से जोड़ा जा रहा है। लघु उद्योग भारती के श्री प्रकाश चंद्र गुप्त ने कहा कि संगठन पिछले 32 वर्षों से देश के सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को संगठित करने तथा उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को केंद्र एवं राज्य सरकारों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में लघु और विकेंद्रीकृत उद्योगों की समृद्ध परंपरा रही है। वर्तमान समय में इन्हें आधुनिक बाजार, नई तकनीक और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क से जोड़ने की आवश्यकता है। इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर इसी उद्देश्य से उद्यमियों को साझा मंच उपलब्ध करा रहा है। तीन दिवसीय आयोजन में उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन के साथ नए व्यावसायिक संपर्क बनाने, नवाचार साझा करने और भविष्य की औद्योगिक संभावनाओं पर संवाद करने का अवसर मिलेगा।

उद्योगों की लंबी उड़ान के लिए तैयार है छत्तीसगढ़ : साव

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर का 14वां संस्करण छत्तीसगढ़ की औद्योगिक विकास यात्रा के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश उद्योगों के क्षेत्र में नई और लंबी उड़ान के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन देश के अलग-अलग हिस्सों से आए उद्यमियों को एक-दूसरे के उत्पाद, तकनीक, नवाचार और अनुभव को समझने तथा नई व्यावसायिक संभावनाएं तलाशने का अवसर देगा। उद्योगों के विस्तार से प्रदेश में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने उद्यमियों से छत्तीसगढ़ की औद्योगिक संभावनाओं के साथ प्रदेश के पर्यटन और तीर्थ स्थलों को भी देखने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने स्टॉलों का किया अवलोकन, उद्यमियों से जाना उनके नवाचारों के बारे में

इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर-2026 में देश और प्रदेश की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों द्वारा बड़ी संख्या में स्टॉल लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मेले के विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और प्रदर्शित उत्पादों, तकनीकों एवं नवाचारों की जानकारी ली। प्रदर्शनी में पारंपरिक आयुर्वेदिक औषधियों एवं उपचार पद्धतियों से लेकर आधुनिक मशीनरी, आईटी और नवीन तकनीक आधारित औद्योगिक उत्पादों का प्रदर्शन किया गया है। मुख्यमंत्री ने उद्यमियों और औद्योगिक प्रतिनिधियों से आत्मीय संवाद कर उनकी व्यावसायिक गतिविधियों, नवीन तकनीकों और औद्योगिक अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने उद्यमियों से छत्तीसगढ़ में उपलब्ध निवेश अवसरों और उद्योगों के लिए विकसित किए जा रहे अनुकूल वातावरण पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने आयोजन को देशभर के उद्यमियों के बीच संवाद और सहयोग का महत्वपूर्ण सेतु बताते हुए लघु उद्योग भारती के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आयोजन की तैयारियों और औद्योगिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पदाधिकारियों, सदस्यों एवं प्रतिनिधियों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपने संसाधनों, सामर्थ्य और नई संभावनाओं के साथ औद्योगिक विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। राज्य सरकार सूक्ष्म, लघु, मध्यम और बड़े—सभी प्रकार के उद्योगों के लिए सहयोगी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने देशभर के उद्यमियों का आह्वान किया कि वे छत्तीसगढ़ आएं, यहां की संभावनाओं को समझें, निवेश करें और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागी बनें इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री आर. कृष्णा दास, छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण के अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी, लघु उद्योग भारती के पदाधिकारी तथा देशभर से आए उद्यमी एवं औद्योगिक प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सड़क, ऊर्जा, जल, सिंचाई और डिजिटल कनेक्टिविटी के विकास की बनेगी समग्र कार्ययोजना

रायपुर। प्रदेश में अधोसंरचना विकास को गति देने और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप मजबूत एवं एकीकृत अधोसंरचना तैयार करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन की बैठक शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में हुई। लोक निर्माण विभाग को मिशन का नोडल विभाग बनाया गया है। बैठक में प्रदेश के सड़क, ऊर्जा, ट्रांसमिशन, जल, सिंचाई, संचार, फाइबर नेटवर्क सहित अन्य प्रमुख अधोसंरचना के समग्र विकास के लिए दीर्घकालिक रणनीति और कार्ययोजना तैयार करने पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने प्रदेश के रोड नेटवर्क के लिए आगामी 20 वर्षों का मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। मास्टर प्लान में मौजूदा अधोसंरचना की स्थिति, भविष्य की जरूरतों, कनेक्टिविटी और संभावित विकास क्षेत्रों का आकलन किया जाएगा। इसके आधार पर परियोजनाओं की प्राथमिकता तय कर चरणबद्ध क्रियान्वयन की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इंटरमॉडल ट्रांसपोर्ट हब की संभावनाएं तलाशी जाएंगी मुख्य सचिव ने प्रदेश में इंटरमॉडल ट्रांसपोर्ट एवं लॉजिस्टिक्स हब विकसित करने की संभावनाओं का अध्ययन करने के निर्देश दिए। सड़क और रेल सहित विभिन्न परिवहन माध्यमों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी विकसित करने तथा माल परिवहन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक परियोजनाओं को चिन्हित किया जाएगा। उन्होंने अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए नए फंडिंग मैकेनिज्म की संभावनाओं का भी अध्ययन करने को कहा। निजी और सार्वजनिक निवेश सहित विभिन्न वित्तीय विकल्पों का परीक्षण कर परियोजनाओं के लिए उपयुक्त वित्तीय व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया। हर साल का एक्शन प्लान भी होगा तैयार 20 वर्षीय मास्टर प्लान के साथ वार्षिक एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। इसमें प्रत्येक वर्ष प्रस्तावित कार्यों, प्राथमिकता, आवश्यक संसाधनों और समय-सीमा का स्पष्ट निर्धारण किया जाएगा। परियोजनाओं की बेहतर प्लानिंग और मैपिंग के साथ उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया गया। मुख्य चिव ने देश के अन्य राज्यों में विकसित आधुनिक अधोसंरचना परियोजनाओं का अध्ययन करने के लिए अधिकारियों के एक्सपोजर विजिट आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि वहां की बेहतर तकनीकों और कार्यप्रणालियों को छत्तीसगढ़ की आवश्यकताओं के अनुरूप अपनाया जा सके। बैठक में संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर मिशन के कार्यों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के सीईओ चंदन कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एपीके फाइल भेजकर 4.15 लाख की ऑनलाइन ठगी

रायपुर। राजधानी में साइबर ठगी और अमानत में खयानत के मामले सामने आए हैं। खम्हारडीह थाना क्षेत्र में अज्ञात मोबाइल धारक ने एपीके फाइल भेजकर महिला के दो बैंक खातों से 4.15 लाख रुपये ऑनलाइन निकाल लिए। वहीं खमतराई क्षेत्र में ट्रक चालक पर किराया और कोयले की एडवांस रकम समेत 58,754 रुपये की अमानत में खयानत का आरोप है। राजेंद्र नगर पुलिस ने नशीली प्रतिबंधित दवा नाइट्राजेपाम की 110 गोलियों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है।

एपीके फाइल डाउनलोड करते ही खातों से निकल गए 4.15 लाख-खम्हारडीह पुलिस के अनुसार, तनजू अग्रवाल निवासी रेहजा रेसिडेंसी, लभांडी के व्हाट्सऐप नंबर पर अज्ञात मोबाइल धारक ने एपीके फाइल भेजी थी। शिकायतकर्ता ने फाइल पर क्लिक किया, जिसके बाद वह डाउनलोड हो गई। इसके बाद उनके दो बैंक खातों से कुल 4,15,529 रुपये ऑनलाइन आहरित कर लिए गए। पुलिस ने अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

ट्रक चालक पर 58 हजार की अमानत में खयानत का आरोप-खमतराई थाना क्षेत्र के जय हनुमान ट्रांसपोर्ट, रावांभाठा में ट्रक से सामान ले जाने वाले चालक पर रकम लेकर वापस नहीं करने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता शिवसागर मिश्रा के अनुसार आरोपी वाहन चालक ट्रक में पार्टी का सामान लेकर रायपुर से सीधी गया था।

ग्रामीण नल-जल योजनाओं के संचालन के लिए जल जीवन मिशन नियमावली पर मंथन

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन व नल जल योजनाओं के अंतर्गत निर्मित पेयजल परिसंपत्तियों के सुचारू संचालन, नियमित संधारण और दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु नीति निर्धारण के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के परामर्श से छत्तीसगढ़ पंचायत (ग्रामीण नलजल संचालन, संधारण एवं प्रबंधन) नियम के तहत व्यापक विचार विमर्श हुआ। प्रस्तावित नियमों पर सर्व संबंधितों तथा प्रभावित व्यक्तियों से समयावधि के भीतर आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित करने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में ग्राम पंचायतों को मिले पूर्ण अधिकार एवं जिम्मेदारियां ग्राम पंचायतों में निर्मित एवं हस्तांतरित सभी ग्रामीण नल-जल योजनाओं के संचालन, संधारण, रखरखाव, विस्तार एवं नियंत्रण का अधिकार पूर्ण रूप से ग्राम पंचायतों के पास रहेगा। ग्राम पंचायतें जलापूर्ति की समय-सारणी निर्धारित करेंगी, जल प्रभार की वसूली करेंगी, तथा नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना व सेवा निलंबन जैसी दंडात्मक कार्रवाई कर सकेंगी।

ग्राम जल एवं स्वच्छता सहायक की नियुक्ति व मानदेय प्रत्येक ग्राम पंचायत में योजनाओं के दैनिक संचालन, पम्प/वॉल्व संचालन व मरम्मत कार्यों हेतु स्थानीय ग्राम जल एवं स्वच्छता सहायक की नियुक्ति ग्राम सभा के अनुमोदन से की जाएगी। इनकी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास (आईटीआई उत्तीर्ण को प्राथमिकता) होगी। सहायकों को प्रतिमाह अधिकतम 5,000 रूपए मानदेय तथा एकत्रित मासिक जल प्रभार राशि का 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रदान किया जाएगा। मासिक जल प्रभार एवं पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था मासिक जल प्रभार की न्यूनतम दरें ।

जनजातीय विकासखंड न्यूनतम 60 रूपए प्रति परिवार, माह सामान्य (गैर-जनजातीय) विकासखंड न्यूनतम 100 रूपए प्रति परिवार/माह, मास्टर प्लान अधिसूचित क्षेत्र न्यूनतम 120 रूपए प्रति परिवार/माह, व्यावसायिक प्रतिष्ठान न्यूनतम 500 रूपएमाह या मीटर आधारित देयक जल प्रभार के बिल, समर्थ पंचायत पोर्टल के माध्यम से जारी व संगृहीत किए जाएंगे।

पानी की बर्बादी रोकने हेतु जुर्माना व दंडात्मक प्रावधानपेयजल का अपव्यय (जैसे- वाहन धोना, मवेशी नहलाना, टुल्लू/विद्युत पंप जोड़कर पानी खींचना या कृषि में उपयोग करना) पाए जाने पर पहली बार में नवीनतम 100 रूपए और बार-बार अपव्यय करने पर न्यूनतम 500 रूपए का जुर्माना तथा कनेक्शन विच्छेद किया जाएगा। लगातार 3 माह तक जल प्रभार न देने पर नल कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जाएगी। किसी तृतीय पक्ष या निर्माण एजेंसी द्वारा पाइपलाइन या परिसंपत्ति को क्षति पहुँचाने पर मरम्मत व्यय के साथ शास्ती वसूलने के संबंध में विचार हुआ। गुणवत्ता जांच एवं जल वाहिनी समूहगांवों में प्रदाय किए जा रहे जल की भौतिक व रासायनिक जांच हेतु जल बहिनी/वाहिनी/सुजलम शक्ति समूह (महिला समूह) को जोड़ा जाएगा। फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से नियमित गुणवत्ता जांच कर रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड की जाएगी।

होटल-बार संचालकों को सख्त निर्देश

रायपुर ■ दैनन्दिनी

रायपुर कमिश्नरेट के डीसीपी सेंट्रल जोन तारकेश्वर पटेल ने सिविल लाइन एवं तेलीबांधा क्षेत्र के होटल और बार संचालकों की बैठक लेकर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सी-4 सिविल लाइन में आयोजित बैठक में एडिशनल डीसीपी विवेक शुक्ला, एसीपी सिविल लाइन, डीएसपी रमाकांत साहू और संबंधित थाना प्रभारी मौजूद रहे।

बैठक में होटल संचालकों को निर्देशित किया गया कि कमरा आवंटित करने से पहले प्रत्येक गेस्ट का वैध पहचान पत्र और मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए। रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के साथ विदेशी मेहमानों के ठहरने की स्थिति में निर्धारित प्रारूप के अनुसार संबंधित थाने को सूचना देने के निर्देश दिए गए। बार एवं रेस्टोरेंट संचालकों को निर्धारित समयसीमा का कड़ाई से पालन करने और समय के बाद प्रतिष्ठान खुले नहीं रखने को कहा गया। वैध लाइसेंस के बिना शराब परोसने पर रोक लगाने के साथ हुक्का एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध रखने तथा नाबालिगों के प्रवेश पर विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए। सुरक्षा के लिए होटल, बार और स्टोरेज एरिया में सीसीटीवी कैमरे चालू रखने तथा उनकी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने को कहा गया। पुलिस ने देह व्यापार जैसी अवैध गतिविधियों पर पूर्ण रोक और प्रतिष्ठान में होने वाली गतिविधियों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पार्किंग को लेकर भी संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सार्वजनिक मार्ग पर वाहन खड़े न हों और व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था की जाए। ऐसे आयोजन, गाने या म्यूजिक से बचने को कहा गया जिससे विवाद या धार्मिक भावनाएं आहत होने की स्थिति बने। सेलिब्रिटी अथवा विशिष्ट अतिथि को बुलाने से पहले पुलिस को आवश्यक सूचना देने और अनुमति संबंधी प्रक्रिया का पालन करने के निर्देश भी दिए गए। डीसीपी ने कहा कि होटल या बार में विवाद, मारपीट अथवा किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल डायल 112 और संबंधित थाना पुलिस को सूचना दी जाए। साथ ही फायर सेफ्टी मानकों का पालन करते हुए अग्निशमन उपकरणों को चालू और उपयोग योग्य स्थिति में रखने तथा महिला सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों ने संचालकों से नियमों और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा पुलिस के साथ लगातार समन्वय बनाए रखने की अपील की। पुलिस ने क्षेत्र में नियमित निगरानी और चेकिंग के जरिए आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण बनाए रखने की बात कही।

डिप्टी सीएम शर्मा ने किया रक्तदान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के सफल 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से पूरे देश और प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की गई है। प्रधानमंत्री मोदी की जनसेवा और समर्पण की भावना से प्रेरित होकर यह विशेष अभियान पूरे एक माह तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान माह भर समाज और जनसरोकार से जुड़े विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में जनसेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने गुरूवार को अपने बस्तर प्रवास के दौरान महारानी अस्पताल जगदलपुर पहुँचकर स्वयं रक्तदान किया। इस दौरान वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती प्रदान करने और जरूरतमंदों के लिए रक्त की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महारानी अस्पताल तथा शासकीय मेडिकल कॉलेज, डिमरापाल में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री शर्मा ने शिविर में मौजूद अन्य रक्तदाताओं से आत्मीय भेंट कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने समाज के प्रति युवाओं की इस संवेदनशीलता और निस्वार्थ सेवा भाव की मुक्तकंठ से सराहना की।

सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचे दीपक बैज: मवेशी से टकराई पायलटिंग गाड़ी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज की पायलटिंग गाड़ी मवेशी से टकराने से बाल-बाल बची। सरगुजा में कार्यक्रम संपन्न होने के बाद लौटते समय कटघोरा-बिलासपुर सीमा क्षेत्र के पास यह हादसा हुआ। घटना को लेकर बैज ने प्रदेश की सड़कों पर मवेशियों के बैठे रहने और खराब सड़क व्यवस्था पर सरकार को घेरा। इसके साथ ही उन्होंने पीएम मोदी के जन्मदिन पर दीया जलाने, UPI पर 0.4 प्रतिशत MDR चार्ज, यूथ कांग्रेस चुनाव में फर्जी मतपत्र के आरोप और PSC परीक्षा विवाद को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा।

दीपक बैज ने बताया कि सरगुजा में कार्यक्रम संपन्न होने के बाद वे करीब 3 बजे वापस आ रहे थे। कटघोरा और बिलासपुर की सीमा क्षेत्र के आसपास सड़क पर जगह-जगह मवेशी बैठे और खड़े थे। 4 लेन सड़क पर एक मवेशी से टकराते हुए पायलटिंग गाड़ी बची। पायलटिंग गाड़ी के अचानक ब्रेक लगाने से उनकी गाड़ी भी उससे टकराते-टकराते बची। सूझबूझ से गाड़ी को टर्न किया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने कहा कि खराब सड़कों की वजह से भी गाड़ियां दुर्घटनाओं का शिकार हो रही हैं। मवेशी सड़कों पर आकर बैठे रहते हैं और कई यात्री मवेशियों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। हम भी उस दुर्घटना से बाल-बाल बचे हैं। सरकार मवेशियों को एक जगह रखने में सक्षम नहीं है। गौशाला हो या 4 लेन सड़क, व्यवस्था केवल खानापूर्ति तक सीमित है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर जलाए गए दीयों को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में पीएम मोदी का जन्मदिन मनाया गया और इसे भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए करोड़ों दीए जलाए गए। दूसरी ओर ऐसे वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें गरीब बच्चे जलते दीयों से तेल निकालकर बोतल में डालते दिखाई दे रहे हैं। यह उनकी गरीबी और बेबसी को बताता है। एक तरफ पीएम मोदी के जन्मदिन पर करोड़ों दीयों में तेल जलाया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ बच्चे उसी तेल को खाने के उपयोग के लिए इकट्ठा कर रहे हैं। दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी भाजपा डेढ़ करोड़ से अधिक दीए जलाने का दावा कर रही है। इस कार्यक्रम में स्कूलों के शिक्षक, बच्चे, प्रशासनिक अधिकारी और आश्रम के बच्चों तक को लगाया गया। पीएम मोदी के जन्मदिन पर दीया जलाने का कार्यक्रम सरकारी नहीं था, तो फिर सरकारी तंत्र को इसमें क्यों झोंका गया? छत्तीसगढ़ में डेढ़ करोड़ दीए जलाए गए, अगर एक दीये में 10 रुपये का तेल लगा हो, तो करीब 15 करोड़ रुपये का तेल खर्च हुआ।

UPI पर 0.4 प्रतिशत MDR चार्ज को लेकर कहा कि केंद्र सरकार ने देश में UPI को लेकर स्कीम जारी की थी, इसे डिजिटल क्रांति के रूप में देखा गया और ऑनलाइन पेमेंट के लिए लोगों को लगातार प्रचारित किया गया, आज लोगों की ऑनलाइन पेमेंट की आदत बन चुकी है, अब UPI के जरिए देश में सालाना 85 हजार करोड़ रुपये वसूलने की तैयारी की जा रही है.

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com